▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 95 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 30-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राजद के लोगों ने आडवाणी की रथ यात्रा रोककर पाप किया था : योगी

6 अक्षय नवमी : सनातन आस्था और अक्षय पुण्य का पर्व

7 कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

फर्स्ट टेक

भारत ने ताजिकिस्तान में स्थित एयरबेस खाली किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने द्विपक्षीय समझौते की समाप्ति के बाद ताजिकिस्तान के आयनी में स्थित एक रणनीतिक हवाई अड्डे से अपना परिचालन समेटने के बाद इसे खाली कर दिया है। इस मामले से परिचित लोगों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे के विकास और संयुक्त परिचालन के लिए भारत और ताजिकिस्तान की सरकार के बीच समझौता लगभग चार साल पहले समाप्त हो गया था। भारत सोवियत काल के इस हवाई अड्डे के विकास में शामिल था, जिसमें इसके रनवे ईंधन डिपो और एक हवाई यातायात नियंत्रण सुविधा को मजबूत करना शामिल था। हालांकि, भारत ने 2022 में ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के पास स्थित इस हवाई अड्डे से अपने कर्मियों और सैन्य उपकरणों को वापस ले लिया था।

30-10-2025 सूर्यास्त 5:42 बजे | 31-10-2025 सूर्योदय 6:02 बजे

BSE	NSE
84,997.13 (+368.98)	26,053.90 (+117.70)

सोना	चांदी
12,603 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	166,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नमक हराम

कुछ लगा रहे नारे जम कर,
कह कर खुद को खालिस्तानी।
कुछ नक्सलवादी बने हुए,
कर रहे देश में मनमानी।
कुछ तोड़ रहे हैं देश आज,
फितरत जिनकी पाकिस्तानी।
थाली में छेद कर रहे हैं,
बन करके वे हिंदुस्तानी।।

प्रधानमंत्री का अपमान करने पर राहुल को भुगतना होगा बड़ा खामियाजा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जब भी कांग्रेस मोदी का अपमान करने के लिए निम्न स्तर पर उतरी है, उस कीचड़ से कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) बहुत अच्छी तरह खिला है।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छठ मईया के प्रति भक्ति को नाटक बताकर 'छठ मईया' के सभी भक्तों का अपमान किया है और कांग्रेस नेता एवं महागठबंधन को आगामी बिहार चुनाव में इसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा।

शाह ने समाचार चैनल 'न्यूज़18 इंडिया' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि पूरा देश छठ मईया की आराधना करता है, श्रद्धापूर्वक अर्घ्य देता है और छठ पर्व के दिन प्रसाद भी ग्रहण करता है। उन्होंने कहा, राहुल जी ने चुनावों में मोदी जी का विरोध करते हुए और उनका अपमान करते हुए, अंततः छठी मईया का ही अपमान कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।''

मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक मतदाताओं द्वारा कहने पर नाच भी सकते हैं।

बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''अगर मोदी जी ड्रामा करना चाहते हैं, छठ पूजा का ड्रामा करना चाहते हैं, तो पानी आएगा, वीडियो कैमरा आएगा।''

गांधी की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए शाह ने कहा, अगर मोदी जी छठ के त्योहार का सम्मान करते हैं और उन्हें (राहुल गांधी) यह 'नौटंकी' लगता है, तो राहुल जी मोदी जी का अपमान नहीं कर रहे हैं। राहुल जी ने छठ मईया के सभी भक्तों, बिहार और पूरे पूर्वांचलियों का अपमान किया है। और मेरा मानना है कि बिहार चुनाव में उन्हें इसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा।

बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के लोगों को पूर्वांचली कहा जाता है।

शाह ने कहा कि जब भी कांग्रेस मोदी का अपमान करने के लिए निम्न स्तर पर उतरी है, उस कीचड़ से कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) बहुत अच्छी तरह खिला है। उन्होंने कहा, बिहार के मतदाता छठ मईया और नरेन्द्र मोदी जी, दोनों का यह अपमान कभी नहीं भूलेंगे। संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) गठबंधन को मतदान के दिन इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

शाह ने कहा, ''यह पहली

राष्ट्रपति मुर्मू ने राफेल में भरी उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन पर पहुंचकर वायुसेना के राफेल विमान में अपनी पहली उड़ान को लेकर मैं बहुत प्रसन्न हूं। राफेल में उड़ान भरना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

अंबाला/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला में स्थित वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी और इसे 'अविस्मरणीय' अनुभव बताते हुए कहा कि इससे उनके अंदर देश की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नई भावना जगी है। मुर्मू दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। अप्रैल 2023 में, सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर मुर्मू ने असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी।

राफेल विमान में सवार होने से पहले राष्ट्रपति ने 'जी-सूट' पहना था। हाथ में हेलमेट लिए और धूप का चश्मा लगाए मुर्मू ने एयर चीफ मार्शल और वायुसेना के कुछ अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाईं।

पूर्वाह्न 11 बजकर 27 मिनट पर विमान के उड़ान भरने से पहले राष्ट्रपति ने विमान के अंदर से हाथ हिलाकर अभिवादन किया। विमान ने लगभग 30 मिनट तक उड़ान भरी और लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद वापस वायुसेना स्टेशन पर लौटा।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विमान 17वीं स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी ने उड़ाया।

बयान में कहा गया है कि राफेल विमान ने समुद्र तल से लगभग 15,000 फुट की ऊंचाई पर और लगभग 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरी।

एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने भी इसी एयरबेस से एक अलग विमान में उड़ान भरी।

राष्ट्रपति ने बाद में आगंतुक पुस्तिका (विजिटर बुक) में लिखा, अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन पर पहुंचकर वायुसेना के राफेल विमान में अपनी पहली उड़ान को लेकर मैं बहुत प्रसन्न हूं। राफेल में उड़ान भरना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने लिखा, इस शक्तिशाली विमान में पहली उड़ान ने मेरे अंदर देश की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नई भावना जगाई है। मैं भारतीय वायुसेना और अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन की पूरी टीम को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देती हूं।

बाद में, मुर्मू ने शाम को 'एक्स' पर एक पोस्ट में राफेल उड़ान के अपने अनुभव के बारे में अधिक जानकारी दी। राष्ट्रपति ने कहा, ''राफेल की यह उड़ान मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है। इस आधुनिक विमान में आज मैं इस प्राचीन भूमि (हरियाणा की) और ब्रह्मसरोवर (कुरुक्षेत्र में) को देख रही हूं, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक यात्रा का प्रतीक है।

भारत, चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन ने मौजूदा तंत्र का उपयोग करते हुए पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक और उच्चस्तरीय सैन्य वार्ता की।

कोर कमांडर स्तर की बैठक 25 अक्टूबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय हिस्से में 'मोल्डो-चुशूल' बिंदु पर हुई। अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के बाद दोनों सेनाओं के बीच यह पहली ऐसी बातचीत थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वार्ता मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने अक्टूबर 2024 में कोर कमांडर स्तर की 22वें दौर की बैठक के बाद से हुई प्रगति पर ध्यान दिया और इस बात पर सहमति जताई कि भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखा गया है।

इसने कहा, ''दोनों पक्ष स्थिरता बनाए रखने के लिए सीमा पर किसी भी जमीनी मुद्दे को सुलझाने के लिए मौजूदा तंत्र का उपयोग जारी रखने पर सहमत हुए।'' पिछले साल अक्टूबर में भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चार साल से अधिक समय से जारी सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के बाद अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए पिछले कुछ महीनों में कई उपाय शुरू किए हैं। डेमचोक और देपसांग के अंतिम दो टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया।

गत 19 अगस्त को विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के लिए वांग की नई दिल्ली यात्रा के बाद, भारत और चीन ने ''स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी'' संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की।

विजयपुरा में लगातार भूकंप से दहशत, दो महीने में 11 झटके

विजयपुरा। विजयपुरा जिले में लगातार आ रहे भूकंपों ने लोगों की नींद उड़ा दी है। पिछले दो महीनों में 11 झटके दर्ज किए गए हैं। मंगलवार रात 11:41 बजे के बाद बुधवार सुबह भी करीब 5:30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों बार कंपन के बाद लोग घरों से बाहर भागे। कई इलाकों में सीसीटीवी कैमरों ने भूकंप के दौरान का पूरा दृश्य कैद कर लिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जैसे ही झटके लगे, दीवारें और सड़कों पर खड़े वाहन हिलने लगे और कुत्ते जोर-जोर से भौंकने व चीखने लगे। भूकंप के केंद्र के बाहर रिक्टर स्केल पर 3.0 तीव्रता दर्ज की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तीव्रता मध्यम स्तर की है, लेकिन बार-बार आने से खतरा बढ़ रहा है। अभी तक किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन लोग सहमे हुए हैं।

51 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 51 माओवादियों ने बुधवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति और शांति, संवाद एवं विकास पर केंद्रित निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप आज 51 माओवादियों ने हिंसा का मार्ग त्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन' योजना के अंतर्गत मुख्यधारा में लौटने वाले इन माओवादियों में नौ महिला और 42 पुरुष हैं, जिन पर कुल 66 लाख का इनाम घोषित था।

'मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं' : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल/भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत के बीच बुधवार को कहा, '' अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा है।''

दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सीईओ शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान एवं स्नेह है। ट्रंप ने कहा, '' यदि आप भारत और पाकिस्तान की बात करें... तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं और जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए मेरे मन में बेहद सम्मान एवं स्नेह है, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।'' इसके बाद व्यापार समझौते के विषय पर अधिक विस्तार से बात किए बिना ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई की शुरुआत में हुए विवाद को सुलझाने का दावा किया।

ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के तनाव कायम हैं। इस 50 प्रतिशत शुल्क में रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को '' अनुचित एवं अविवेकपूर्ण'' करार दिया है।

ऐसा माना जा रहा है कि विदेश मंत्री जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कुआलालंपुर में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर अपनी बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर सोमवार को व्यापक चर्चा की।

जैन दिवाकर प्रसिद्धवक्ता प.पू. गुरुदेव
श्री चौथमल जी म.सा. की 148 वीं जन्म जयंती

कर्नाटक गज केशरी घोर तपस्वी परम श्रद्धेय
पूज्य गुरुदेव श्री गणेशलाल जी म.सा. की 146वीं जन्मजयंती
पंडित रत्न उपाध्याय प्रवर पूज्य गुरुदेव श्री कस्तूरचंद जी म.सा. की दीक्षा जयंती एवं
पूज्य आचार्य सम्राट 1008 श्री हीराचंद जी म.सा. की दीक्षा जयंती

जैन दिवाकर रत्न तरुण तपस्वी परम पूज्य
गुरुदेव श्री विमलमुनिजी म.सा. के सुशिष्य
स्वर्ण संयम आराधक सेवा चक्रवर्ती दक्षिण भास्कर
प.पू. गुरुदेव श्री वीरेंद्र मुनि म. सा. एवं

पूज्य महा सती श्री धर्म प्रभाजी म.सा.
विदुषी साध्वी रत्ना श्री स्नेहप्रभाजी म.सा.
आदि ठाणा 2 के पावन सानिध्य में

शुक्रवार, दिनांक 31.10.2025 को महापुरुषों के गुणगान
एवं प्रवचन कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे से
आप सादर आमंत्रित हैं।
अतिथि सत्कार में
अध्यक्ष प्रकाशचंद गांग | मंत्री राजेंद्र लुंकड | उपाध्यक्ष अशोक लूणावत | उपाध्यक्ष नवरतनमल लोढ़ा
सह मंत्री महेंद्र लूणावत | सह मंत्री दिनेश बोकाडिया | कोषाध्यक्ष कमलचंद छाजेड़ | सह कोषाध्यक्ष नरेश छाजेड़
निवेदक
श्री एसएस जैन संघ स्थानक
99 बाजार रोड सैदापेट चेन्नई

भारत-ईयू एफटीए के जल्द पूरा होने से बड़े बदलाव संभव: जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द पूरा करने से बड़े बदलाव संभव हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि ये बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और लोकतांत्रिक ताकतों को मजबूत करने के नजरिये से होंगे। उन्होंने 27 देशों के यूरोपीय संघ के एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद यह बात कही।

सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए भारत आया है।

जयशंकर ने कहा, ''इस बात पर चर्चा हुई कि भारत और यूरोपीय संघ कैसे तालमेल को अधिकतम कर सकते हैं और सहयोग को मजबूत कर सकते हैं। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिर हो सकती है और लोकतांत्रिक ताकतें मजबूत होंगी।''

उन्होंने कहा, ''भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र पूरा कर इन उद्देश्यों में बड़ा अंतर ला सकता है।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दिसंबर तक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है।

अमेरिका सहित कुछ देश तेल और गैस का इस्तेमाल कम करने में बाधा डाल रहे : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित चार विकसित देश पेरिस समझौते के बाद से तेल और गैस का इस्तेमाल चरणबद्ध ढंग से खत्म करने में बाधा डाल रहे हैं।

मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और नॉर्वे इस दिशा में प्रगति को पटरी से उतारने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। दूसरी ओर बाकी दुनिया ने जीवाश्म ईंधन उत्खनन को या तो धीमा कर दिया है या कम कर दिया है।

शोध संस्थान ऑयल चेंज इंटरनेशनल ने ''ग्रह विध्वंसक: पेरिस समझौते के बाद से वैश्विक उत्तरी देश हालात को बिगाड़ रहे'' शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह बात कही। इसमें कहा गया कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और नॉर्वे ने मिलकर 2015 और 2024 के बीच अपने तेल और गैस उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि की, जबकि शेष विश्व में कुल मिलाकर उत्खनन में दो प्रतिशत की गिरावट आई।

पेरिस समझौते के बाद से तेल और गैस उत्खनन में हुई शुद्ध वैश्विक वृद्धि में अकेले अमेरिका का योगदान 90 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे प्रतिदिन लगभग 1.1 करोड़ बैरल तेल के बराबर उत्पादन बढ़ा है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में पांच गुना से भी अधिक है।

प्रमुख उत्पादकों में ऑस्ट्रेलिया का उत्पादन 77 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कनाडा और नॉर्वे ने क्रमशः 28 प्रतिशत और सात प्रतिशत उत्पादन बढ़ाया।

इसके विपरीत सऊदी अरब, अल्जीरिया और कतर जैसे कई वैश्विक दक्षिण देशों ने उत्पादन को स्थिर रखा है या इसे कम कर दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये देश तेल और गैस राजस्व पर कहीं अधिक निर्भर हैं, फिर भी वे जीवाश्म ईंधन से दूर जाने के लिए अमीर देशों की तुलना में अधिक संयम बरत रहे हैं।

ऑयल चेंज इंटरनेशनल के वैश्विक नीति प्रमुख रोमेन इउआलेन ने कहा, ''10 साल पहले पेरिस में, देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का वादा किया था, जो जीवाश्म ईंधन के विस्तार और उत्पादन को खत्म किए बिना असंभव है। जलवायु संकट के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार अमीर देशों ने यह वादा नहीं निभाया है। इसके बजाय, उन्होंने आग में घी डाला है और आवश्यक धनराशि रोक दी है।''

सोना 2,600 रुपए बढ़कर 1,24,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी भी चमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फेडरल रिजर्व के नीतिगत नतीजों से पहले सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी के नए दौर के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2,600 रुपए बढ़कर 1,24,400 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गईं। इससे दो सत्रों से चली आ रही गिरावट थम गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने बताया कि 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,600 रुपए बढ़कर 1,23,800 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,21,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 1,21,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''बुधवार को सोने की कीमतों में उछाल आया और फेडरल रिजर्व की मौद्रिक बैठक के नतीजे आने से पहले यह 4,000 डॉलर प्रति औंस के मनोवैज्ञानिक स्तर पर पहुंच गया।'' चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल आया और इसकी कीमतें 6,700 रुपए बढ़कर 1,51,700 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। मंगलवार को चांदी की कीमत 1,45,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। गांधी ने कहा कि पश्चिम एशियाई क्षेत्र में भू-राजनीतिक चिंताएं बढ़ने के बाद सौदेबाजी में खरीदारी और सुरक्षित निवेश वाले संसाधनों की फिर से मांग बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 77.26 डॉलर यानी 1.95 प्रतिशत बढ़कर 4,029.53 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस तरह तीन दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया।

जब तक ट्रंप को मंडुए की रोटी या बिस्कुट खाते नहीं देखूंगा, तब तक बूढ़ा नहीं होउंगा: हरीश रावत

देहरादून/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने बुधवार को मंडुआ (एक मोटा अनाज) की वकालत करते हुए अनूठे अंदाज में अपने राजनीतिक विरोधियों को संदेश दिया कि वह अभी बूढ़े नहीं होंगे। चमोली जिले के गैरसैंण में 'लोक संस्कृति एवं कृषि विकास मेले' में अपने संबोधन में रावत ने कहा, ''मैंने यह तय कर लिया है कि जब तक मैं व्हाइट हाउस में (अमेरिका के राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप को मंडुए की रोटी या बिस्कुट खाते हुए नहीं देखूंगा, तब तक के लिए मैंने बूढ़ा होने से इनकार कर दिया है।''

रावत ने मंगलवार को भी रुद्रप्रयाग जिले के जखोली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि जब तक ट्रंप मंडुए का बिस्कुट नहीं खाएंगे, तब तक वह बूढ़े नहीं होंगे और मैदान नहीं छोड़ेंगे।

गोयल ने जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं, कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि देश के लिए जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं, प्रमुख प्रौद्योगिकियों पर नियंत्रण और कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता कम करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना केवल भारत में विनिर्माण, डिजाइन या विकास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की दीर्घकालिक वृद्धि और संप्रभुता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विदेशी प्रौद्योगिकी, विदेशी हथियारों, विदेशी ऊर्जा स्रोतों और विदेशी महत्वपूर्ण तकनीकों पर निर्भरता कम करना देश की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''वास्तव में, इस दशक ने कोविड से लेकर अब तक हमें कई बार सचेत किया है कि जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं का होना, अपनी प्रौद्योगिकी का होना, तकनीकों पर नियंत्रण होना और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवश्यक आपूर्ति पर नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने यहां टाईइकॉन कार्यक्रम में कहा, ''कुछ क्षेत्रों और कुछ बेहद महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए भारत ने आज दुनिया का केवल 'बैक ऑफिस' या दुनिया का सॉफ्टवेयर प्रदाता होने से आगे बढ़कर नवाचार का वैश्विक इंजन बनने का संकल्प लिया है।'' उन्होंने कहा कि भारत के तकनीकी स्टार्टअप को दुनिया भर में भारी मूल्यांकन मिल रहा है। गोयल ने यह भी कहा कि स्टार्टअप के वित्तपोषण कार्यक्रम 'फंड ऑफ फंड्स' का दूसरा संस्करण पूरी तरह से डीप टेक निवेश के लिए समर्पित हो सकता है।

अनिल अंबानी की कंपनियों से लेनदेन के कारण यस बैंक को 2,700 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ: सीबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली वित्तीय कंपनियों में निवेश करने के 'एकतरफा फैसले' के कारण बैंक को 2,700 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। यस बैंक और अनिल अंबानी की कंपनियों के बीच कथित धोखाधड़ी वाले लेनदेन से संबंधित एक मामले में सीबीआई के आरोपपत्र में यह बात कही गई है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले महीने अनिल अंबानी, राणा कपूर और उनके परिवार के सदस्यों सहित 13 लोगों और संस्थाओं के खिलाफ ऋण और निवेश से संबंधित आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आरोप पत्र दायर किया था। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि मामले में अनिल अंबानी के बेटे और रिलायंस कैपिटल के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक अनमोल अंबानी की भूमिका के संबंध में आगे की जांच जारी है। यह मामला यस बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा दर्ज की गई दो अलग-अलग शिकायतों पर आधारित है। आरोप पत्र के अनुसार जब राणा कपूर यस बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे, तब बैंक ने 2017 और 2019 के बीच अनिल धीरूभाई अंबानी (एडीए) समूह की वित्तीय कंपनियों में 5,010 करोड़ रुपए का निवेश किया।

एनवीडिया पांच लाख करोड़ डॉलर के मूल्यांकन वाली पहली कंपनी बनी

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिकी चिप विनिर्माता एनवीडिया पांच लाख करोड़ डॉलर का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी बन गई है। महज तीन महीने पहले इसने चार लाख करोड़ डॉलर की पहली कंपनी बनने का भी मुकाम हासिल किया था।

एनवीडिया के बाजार मूल्यांकन में जबर्दस्त तेजी के पीछे कृत्रिम मेधा (एआई) को लेकर दुनिया भर में बढ़ती मांग को माना जा रहा है। एआई के विकास में एनवीडिया के बनाए चिप की अहम भूमिका है। विशेषज्ञ इसे 18 साल पहले एप्पल के दिवंगत संस्थापक स्टीव जॉब्स द्वारा पहले आईफोन की पेशकश के बाद प्रौद्योगिकी जगत का सबसे बड़ा बदलाव बता रहे हैं। एप्पल आईफोन की व्यापक सफलता के दम पर ही एक, दो और तीन लाख करोड़ डॉलर वाली पहली सूचीबद्ध कंपनी बनी थी।

हालांकि, केंद्रीय बैंकों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने एनवीडिया के मूल्यांकन में आए रिकॉर्ड उछाल को लेकर सतर्क रहने को भी कहा है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने हाल ही में चेतावनी दी कि एआई उछाल से बढ़े प्रौद्योगिकी शेयरों में 'अति-मूल्यांकन की स्थिति पैदा होने का खतरा है, जो गुब्बारा' कभी भी फूट सकता है।

सरकार 50 लाख रुपए तक की आय पर कर की दर घटाए: पीएचडी चैंबर

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने बुधवार को कहा कि 50 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले करदाताओं के लिए कर दरों में खासी कटौती की जानी चाहिए, जबकि 30 प्रतिशत की उच्चतम दर केवल उनसे अधिक आय वालों पर ही लागू होनी चाहिए।

वर्तमान में नई कर व्यवस्था के तहत 24 लाख रुपए से अधिक आय पर 30 प्रतिशत की दर से कर लगाया जाता है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने आगामी केंद्रीय बजट को लेकर भेजे अपने सुझावों में कहा है कि व्यक्तिगत आयकर दरों में कटौती करने से कर अनुपालन और कर-आधार दोनों बढ़ेंगे। उसने सुझाव दिया है कि 30 लाख रुपए तक की आय पर अधिकतम कर दर 20 प्रतिशत, 30 से 50 लाख रुपए की आय पर 25 प्रतिशत और 50 लाख रुपए से ऊपर की आय पर 30 प्रतिशत रखी जानी चाहिए। इससे न केवल मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी बल्कि राजस्व प्रवाह में भी स्थिरता आएगी।

उद्धव ठाकरे 'दो मुंह वाला कोबरा' हैं, दोहरे मापदंड अपनाते हैं : भाजपा नेता शेलार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार ने शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को ''दो मुंह वाला कोबरा'' कहा और उन पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। शेलार ने यह टिप्पणी ठाकरे द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुंबई को ''निगलने की चाहत रखने वाला एनाकोंडा'' कहे जाने के दो दिन बाद की है।

शेलार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आप दो मुंह वाले कोबरा हैं उद्धव ठाकरे।'' उन्होंने कहा कि ठाकरे खुद को बाघ कहते हैं, लेकिन लोमड़ी की तरह व्यवहार करते हैं। शेलार ने कहा, ''वह तलवार चलाने की बात करते हैं, लेकिन अपने दोस्तों के खिलाफ हो जाते हैं। वह दूसरों को एनाकोंडा कहते हैं, लेकिन जहरीले सांप की तरह काम करते हैं। वह मुंबई के विभाजन की अफवाहें फैलाते हैं और फिर शहर का शोषण करते हैं।'' मंत्री ने कहा कि ठाकरे भाजपा कार्यालयों पर सवाल उठाते हैं, लेकिन अपना नया आवास 'मातोश्री-2' बनाते हैं। शहर के बांद्रा इलाके में स्थित 'मातोश्री' ठाकरे का आवास है। इससे पहले, ठाकरे ने शाह पर तब निशाना साधा था जब वह चर्चगेट स्टेशन के पास नए भाजपा कार्यालय के भूमिपूजन समारोह में भाग लेने के लिए शहर आए थे।

कुछ कॉरपोरेट प्रतिद्वंद्वी हमारी छवि खराब करने के लिए चला रहे अभियान: रिलायंस ग्रुप

नई दिल्ली/भाषा। अनिल अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस ग्रुप ने बुधवार को कहा कि कुछ कॉरपोरेट प्रतिद्वंद्वी उसकी छवि खराब करने के लिए उसके खिलाफ 'झूठ और दुष्प्रचार' फैलाने का अभियान चला रहे हैं। समूह ने यह प्रतिक्रिया ऑनलाइन पोर्टल 'कोबरापोस्ट' के प्रस्तावित संवाददाता सम्मेलन से पहले दी है, जिसमें एक कॉरपोरेट समूह के खिलाफ कथित वित्तीय अनियमितताओं का 'खुलासा' किए जाने की बात कही गई है। समूह की कंपनियों- रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर ने शेयर बाजारों को भेजे बयान में कहा कि कोबरापोस्ट का कथित खुलासा 'सार्वजनिक रूप से पहले से उपलब्ध सूचनाओं का महज दोहराव है और उन्हें तोड़-मरोड़कर एवं संदर्भ से अलग पेश किया जा रहा है।'

रिलायंस ग्रुप ने कहा, ''यह जानकारी पहले से ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और इसकी जांच सीबीआई, ईडी, सेबी एवं अन्य सक्षम एजेंसियां कर चुकी हैं।'' कोबरापोस्ट पोर्टल ने प्रस्तावित अपने संवाददाता सम्मेलन के लिए भेजे गए निमंत्रण में आरोप लगाया गया है कि एक कॉरपोरेट समूह ने लगभग 28,874 करोड़ रुपए की धनराशि धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से दूसरी जगह भेजी। रिलायंस ग्रुप ने कहा कि उसे इस संवाददाता सम्मेलन को लेकर मीडिया से कुछ सवाल प्राप्त हुए हैं। अनिल अंबानी की अगुवाई वाले समूह ने कहा, ''हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ कॉरपोरेट प्रतिद्वंद्वी, नामित व्यक्तियों और संबंधित संस्थाओं के माध्यम से, हमारे खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार, गलत सूचना और चरित्र हनन का अभियान चला रहे हैं।''

चक्रवात 'मोंथा': मुख्यमंत्री रेड्डी ने प्रशासन को उच्च सतर्कता बरतने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव से हुई भारी बारिश के बाद पूरे राज्य प्रशासन को उच्च सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि चक्रवात के प्रभाव, विशेष रूप से धान की कटाई पर, की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने धान और कपास खरीद केंद्रों पर विशेष व्यवस्था करने के आदेश दिए। पड़ोसी आंध्र प्रदेश के तट को रात में पार करने वाले भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के प्रभाव से बुधवार को तेलंगाना के विभिन्न जिलों में भारी बारिश हुई। थाई भाषा में 'मोंथा' का अर्थ सुगंधित फूल होता है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि खम्मम, वारंगल और नलगोंडा जिलों के सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है।

राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों को जिला अधिकारियों की देखरेख में बारिश प्रभावित जिलों में समन्वित तरीके से बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

हैदराबाद में भारी बारिश के बीच रेड्डी ने स्थानीय नगर निगम अधिकारियों को शहर के जलमग्न इलाकों में लोगों को बचाने के लिए आपदा प्रबंधन दल तैनात करने का निर्देश दिया।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा), एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग के कर्मियों को जनता के अनुरोधों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

गोलकुंडा एक्सप्रेस और कोणार्क एक्सप्रेस सहित कई ट्रेन के महबूबाबाद जिले के दोनाकल जंक्शन और गुंड्रातिमादुगु स्टेशन पर रुकने और रेलवे अधिकारियों द्वारा कई अन्य ट्रेन के मार्ग बदले जाने के बाद, रेड्डी ने सुझाव दिया कि फंसे हुए यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

नदियों और नहरों के उफान पर होने के कारण, उन्होंने निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों को राहत शिविरों में पहुंचाने का आदेश दिया।

भारत को वैमानिकी उद्योग के लिए भी प्रोत्साहन योजना लानी चाहिए: एयरबस इंडिया प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विमान बनाने वाली वैश्विक कंपनी एयरबस की भारतीय इकाई के प्रमुख युर्गन वेस्टरमायर ने बुधवार को कहा कि सरकार को देश के वैमानिकी उद्योग के लिए भी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने के बारे में सोचना चाहिए।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2025' सम्मेलन में वेस्टरमायर ने कहा कि भारत का विमानन क्षेत्र मजबूत वृद्धि पथ पर है, लेकिन घरेलू वैमानिकी पारिस्थितिकी को सुदृढ़ बनाने के लिए दीर्घकालिक निवेश की जरूरत है। एयरबस इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा, ''वैमानिकी उद्योग दीर्घकालिक निवेश की मांग करता है। भारत में जब अन्य क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाएं हैं, तो फिर इसका दायरा वैमानिकी उद्योग तक क्यों नहीं बढ़ाया जा सकता?''

केंद्र सरकार देश में विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई योजना संचालित कर रही है। इसमें चुनिंदा क्षेत्रों की कंपनियों को स्थानीय विनिर्माण पर सरकार की तरफ से प्रोत्साहन राशि दी जाती है। एयरबस का भारत में असैन्य एवं रक्षा विमानन दोनों क्षेत्रों में ही मजबूत योगदान है। कंपनी देश में दो फाइनल असेंबली लाइन लगा रही है। एच125 हेलीकॉप्टर के लिए कर्नाटक के वेमगल और सी295 सैन्य विमान के लिए गुजरात के वडोदरा में यह असेंबली लाइन लगाई जा रही है। एयरबस भारत से वार्षिक 1.4 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के कलपुर्जों और सेवाओं की सोर्सिंग करती है। कंपनी का कहना है कि वह इस आंकड़े को और बढ़ाने की दिशा में है, क्योंकि भारत उसकी वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वेस्टरमायर ने कहा कि भारतीय विमानन बाजार तेजी से बढ़ रहा है और एयरबस इसमें दीर्घकालिक साझेदारी को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, भारत में हर क्षेत्र में अवसर हैं। यदि नीतिगत समर्थन और निवेश माहौल स्थिर रहे, तो भारत वैश्विक वैमानिकी निर्माण केंद्र बन सकता है।

एयरबस को पिछले कुछ वर्षों में भारतीय एयरलाइंस से भी बड़ी संख्या में विमानों के ऑर्डर मिले हैं।

बादलों में कम नमी की वजह से कृत्रिम बारिश नहीं हुई : आईआईटी कानपुर के निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-कानपुर के निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा कि भले ही दिल्ली में कृत्रिम बारिश के परीक्षण से बारिश नहीं हुई, लेकिन इससे उपयोगी जानकारी मिली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर में प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर खर्च की गई धनराशि की तुलना में इस प्रक्रिया की लागत ज्यादा नहीं है।

दिल्ली सरकार ने मंगलवार को आईआईटी-कानपुर के सहयोग से बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार में कृत्रिम बारिश के लिए दो परीक्षण किए, लेकिन बारिश नहीं हुई। परीक्षणों के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नाममात्र की बारिश हुई। अग्रवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''यह परीक्षण 300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किया गया। मेरे अनुमान के अनुसार, इसकी कुल लागत लगभग 60 लाख रुपए आई। यह मोटे तौर पर प्रति वर्ग किलोमीटर लगभग 20,000 रुपए होता है।'' उन्होंने कहा, ''यदि हम 1,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में यह परीक्षण करते हैं, तो इसकी लागत लगभग 2 करोड़ रुपए होगी।'' अग्रवाल ने पूरे परीक्षण की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यदि यह परीक्षण पूरे शीतकाल में किया जाए और यह मान लिया जाए कि 10 दिन में एक बार बादल छाए रहेंगे, तो इसकी लागत लगभग 25 से 30 करोड़ रुपए आएगी। आईआईटी-कानपुर के निदेशक ने कहा, ''कुल मिलाकर यह कोई बहुत बड़ी राशि नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण पर खर्च की जाने वाली धनराशि काफी बड़ी है।'' उन्होंने कहा कि बादलों में पर्याप्त नमी न होने से वर्षा होने की संभावना कम हो जाती है। अग्रवाल ने कहा, ''यह (नमी की मात्रा) केवल 15 प्रतिशत के आसपास थी। इतनी कम नमी के साथ, बारिश होने की संभावना बहुत कम है। उस दृष्टिकोण से हमें सफलता नहीं मिली, लेकिन हमें बहुत उपयोगी जानकारी मिली।''

केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में चार नवंबर से शुरू होगी एसआईआर की प्रक्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश के सभी चार क्षेत्रों में एसआईआर की बनाई गई है योजना

पुडुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चार नवंबर से शुरू होगा, जिसके लिए निर्वाचन विभाग ने एक योजना तैयार की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी. जवाहर ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश के सभी चार क्षेत्रों पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यानम में एसआईआर की योजना बनाई गई है।

उन्होंने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पुडुचेरी 11 अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ एसआईआर प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में 24 साल बाद इस तरह का अभियान चलाया जा रहा है ताकि मतदाता सूची सटीक और त्रुटि-मुक्त हो। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि कोई मतदाता छूट न जाए, इसके लिए बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) कम से कम तीन बार लोगों के घर जाएंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि जमीनी स्तर पर मतदाताओं के नामांकन व सत्यापन में सहायता के लिए राजनीतिक दलों को मतदान केंद्र स्तर के एजेंट नामित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस वर्ष नौ दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, जबकि 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 के बीच दावे व आपत्तियां दाखिल की जा सकेंगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी को होना निर्धारित है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोग अपने संबंधित मतदान केंद्र स्तर के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं या निर्वाचन आयोग के पोर्टल व मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल करके जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पलानीस्वामी की अन्नाद्रमुक के बूथ-लेवल नेताओं से अपील, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर हों 'सजग'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के महासचिव और विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने पार्टी के सभी बूथ-लेवल सचिवों को निर्देश दिया है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सक्रियता दिखाएं, अपने क्षेत्रों में जाएं और इस बात का ख्याल रखें कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हो।

एक विस्तृत निर्देश में, पलानीस्वामी ने कहा कि चुनाव आयोग ने मौजूदा पुनरीक्षण अभ्यास के लिए 1 जनवरी, 2026 की तारीख तय की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक ढांचे की ईमानदारी बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है और पार्टी कार्यकर्ताओं से अनियमितताओं या गलतियों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया।

पलानीस्वामी ने बूथ सचिवों को निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से हर पोलिंग बूथ क्षेत्र में जाएं, इकट्ठा की जा रही जानकारी को सत्यापित करें, और चुनावी सूची की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए प्रविष्टियों को दोबारा चेक करें। उन्होंने कहा कि बूथ-लेवल के पदाधिकारियों और जिला सचिवों के बीच करीबी तालमेल होना चाहिए ताकि सत्यापन प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के पूरी हो सके।

पलानीस्वामी ने बयान में कहा, हर पार्टी प्रतिनिधि को इस अभ्यास को गंभीरता से लेना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, साथ ही किसी भी तरह की हेराफेरी या गलत प्रविष्टि की गुंजाइश न रहे। उन्होंने कहा कि सत्यापन अभ्यास समाप्त होने के तुरंत बाद काम पूरा होने की विस्तृत रिपोर्ट एआईएडीएमके हेडक्वार्टर में जमा की जाए। एक अलग कम्युनिकेशन में, अन्नाद्रमुक के महासचिव ने घोषणा की कि बूथ-लेवल के सचिवों और जिला पदाधिकारियों की एक बैठक 2 नवंबर को चेन्नई स्थित पार्टी हेडक्वार्टर में होगी। इस बैठक में चुनावी सूची पुनरीक्षण को लेकर पार्टी की तैयारियों की समीक्षा और 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले की रणनीतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

पलानीस्वामी ने सभी जिला-स्तरीय सचिवों को यह भी निर्देश दिया कि वे बैठक में जरूर उपस्थित हों और अपने-अपने क्षेत्रों से मतदाता सत्यापन अभ्यास की प्रगति पर समेकित रिपोर्ट लाएं। अन्नाद्रमुक नेतृत्व चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण को अपने जमीनी नेटवर्क को मजबूत करने के अवसर की तरह देख रहा है।

चक्रवात 'मोंथा' : दक्षिण रेलवे ने कई ट्रेनों की टाइमिंग बदली, यात्रियों को किया अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी में तेजी से मजबूत हो रहा चक्रवात 'मोंथा' पूर्वी तट को अपनी चपेट में लेने को तैयार है। इस खतरे के मद्देनजर पूर्व तट रेलवे ने ट्रेन सेवाओं के स्वरूप में बड़े परिवर्तन किए हैं, जिससे हजारों यात्रियों की योजनाएं प्रभावित हुई हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, यह चक्रवात गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल चुका है और मंगलवार रात तक आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा के पास तट से टकरा सकता है। दक्षिण रेलवे के अनुसार, चक्रवात के कारण ट्रेनों का पुनर्निर्धारण किया गया है। ट्रेन संख्या 22825 शालीमार-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो मूल रूप से मंगलवार को शालीमार से दोपहर 12.10 बजे रवाना होने वाली थी, अब बुधवार को रात 00.10 बजे (12 घंटे की देरी से) प्रस्थान करेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 12841 हावड़ा-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस का शेड्यूल बदल दिया गया है। यह ट्रेन मंगलवार को हावड़ा से दोपहर 15.10 बजे चलने वाली थी, लेकिन अब बुधवार को शालीमार से दोपहर 12.10 बजे और हावड़ा से रात 03.10 बजे (12 घंटे देरी से) रवाना होगी। ट्रेन संख्या 22807 संतरागाछी-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस, जो मंगलवार को संतरागाछी से शाम 17.55 बजे चलने वाली थी, अब बुधवार को सुबह 05.55 बजे (12 घंटे देरी से) प्रस्थान करेगी। लंबी दूरी की ट्रेन संख्या 13351 धनबाद-अलपुझा एक्सप्रेस का समय भी प्रभावित हुआ है। यह मंगलवार को धनबाद से दोपहर 11.35 बजे चलने वाली थी, लेकिन अब शाम 18.35 बजे (7घंटे देरी से) रवाना होगी। विशेष ट्रेन संख्या 03252 एसएमवीटी बेंगलूरु-दानापुर एक्सप्रेस, जो मंगलवार को रात 23.50 बजे बेंगलूरु से चलने वाली थी, अब बुधवार को सुबह 06.30 बजे (6 घंटे 40 मिनट देरी से) प्रस्थान करेगी। ये बदलाव चक्रवात 'मोंथा' के कारण बंगाल की खाड़ी में उफान मारते समुद्र और भारी बारिश से रेल ट्रैक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एम. सेंथमिल सेल्वन ने यात्रियों से अपील की है कि वे रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप से अपडेट चेक करें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए एसआईआर पर दो नवंबर को बैठक, सभी दल शामिल हों : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेनकासी (तमिलनाडु)। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर दो नवंबर को होने वाली सर्वदलीय बैठक लोकतंत्र को सुरक्षित रखने का एक प्रयास है और सभी दलों को राजनीतिक मतभेद भुलाकर इसमें शामिल होना चाहिए। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी एसआईआर का विरोध करते रहे हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सहित अन्य चुनाव वाले राज्यों में अगले महीने से पुनरीक्षण लागू करने की घोषणा के बाद सरकार ने आगे की कार्रवाई तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस अभ्यास के माध्यम से तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार को 'छीनने' की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से दोहराता हूं कि मतदान लोकतंत्र का आधार है। हम इसे किसी भी कीमत पर कुर्बान नहीं करेंगे। हम मतदान के अधिकार छीनने और वोट चोरी जैसे भाजपा के प्रयासों पर काबू पाएंगे और तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार की रक्षा करेंगे।

स्टालिन ने कहा कि केरल हमारे साथ जुड़ गया है, उनका स्पष्ट संदर्भ उस राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के एसआईआर के विरोध से था। प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक के बारे में स्टालिन ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से किए जा रहे इस प्रयास में सभी राजनीतिक दलों को अपने राजनीतिक मतभेद भुलाकर भाग लेना चाहिए।

केंद्र ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रेलवे स्टेशन परियोजना को मंजूरी दी

कोच्चि। रेलवे बोर्ड ने नेदुम्बस्सेरी स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों द्वारा लंबे समय से की जा रही मांग को पूरी करते हुए रेलवे स्टेशन निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के कार्यालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह मंजूरी कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक रेल संपर्क में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बयान के मुताबिक कुरियन ने इस महीने की शुरुआत में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। इसके मुताबिक रेल मंत्री ने कुरियन को आश्वासन दिया था कि परियोजना पर तेजी से काम किया जाएगा। पिछले वर्ष रेल मंत्री के दौरे के बाद इस योजना को गति मिली। तब उन्होंने निरीक्षण किया और स्टेशन के लिए प्रस्तावित स्थल की स्वयं पहचान की। नए स्टेशन से कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने या जाने वाले यात्रियों के लिए यात्रा अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है। कुरियन ने परियोजना की मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वैष्णव को धन्यवाद दिया।

एनसीईआरटी, आईआईटी-मद्रास ने शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नईदिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी नवाचार और अनुसंधान में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी-मद्रास के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र में पहुंच, समावेशिता और गुणवत्ता में सुधार के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और 'मशीन लर्निंग' (एमएल) सहित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना है।

स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार ने कहा, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के दृष्टिकोण और लक्ष्यों को साकार करने के लिए यह सहयोगात्मक प्रयास महत्वपूर्ण है। बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देने के मद्देनजर सभी पुस्तकों को डिजिटल बनाने और 22 अनुसूचित भाषाओं में उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से अनुकूल शिक्षण (पीएएल) को विकसित करने की जरूरत है और एआई टूल का उपयोग करके भविष्य के कौशल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छे शैक्षणिक और तकनीकी उपकरणों को विकसित करने की भी जरूरत है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के साथ एमओयू का उल्लेख करते हुए एनसीईआरटी के अध्यक्ष दिनेश सकलानी ने कहा, यह सहयोग सुलभ और समावेशी शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एनईपी-2020 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विजय ने पांच नवंबर को टीवीके की आम परिषद की विशेष बैठक बुलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनय से राजनीति में आए और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने बुधवार को घोषणा की कि पार्टी की आम परिषद की विशेष बैठक पांच नवंबर को बुलाई गई है।

अभिनेता से नेता बने विजय ने बताया कि आम परिषद में चुनावी राज्य तमिलनाडु में पार्टी की अगली रणनीति पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने में लोग पार्टी के प्रति समर्थन जता रहे हैं। उनका इशारा 27 सितंबर को उनके द्वारा संबोधित पार्टी की रैली में हुई भगदड़ की ओर था।

विजय ने कहा, ''दुश्मन साजिश कर हम पर जीत हासिल करना चाहते हैं।'' उन्होंने एक बयान में कहा, ''जमीनी स्थिति हमारे अनुकूल है'' और अगले कदम सावधानी से उठाने होंगे। विजय ने कहा कि भविष्य के निर्णय लेने के लिए, हमने पार्टी की एक विशेष आम परिषद की बैठक बुलाने का निर्णय लिया है।

टीवीके संस्थापक संस्थापक ने कहा कि यह बैठक पांच नवंबर को यहां के निकट महाबलीपुरम में एक निजी होटल में आयोजित की जाएगी। विजय की पार्टी ने तमिलनाडु विधानसभा के लिए अगले साल होने वाले चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है।

'एक पद के लिए 25-35 लाख रुपये' : ईडी ने तमिलनाडु के नगर प्रशासन विभाग में 'भर्ती घोटाले' का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति (एमएडब्ल्यूएस) विभाग में कथित भर्ती घोटाले को लेकर तमिलनाडु पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है क्योंकि उसका दावा है कि इसमें कुछ लोक सेवक और राजनेता शामिल थे।

संघीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से राज्य सरकार ने लगभग 2,500 उम्मीदवारों का चयन किया और आरोपियों द्वारा प्रति उम्मीदवार 25-35 लाख रुपये की रिश्वत ली गई।

सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने हाल ही में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को एक पत्र लिखने के साथ उनसे कथित घोटाले से जुड़े दस्तावेज, तस्वीरें और व्हाट्सएप चैट जैसे सबूत' साझा किए हैं।

ईडी ने राज्य सरकार की उक्त भर्ती में कथित अनियमितताओं के बारे में पुलिस के साथ जानकारी साझा करते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66 (सूचना का खुलासा) के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया है। इस धारा के तहत ईडी पुलिस जैसी प्राथमिक जांच एजेंसी के साथ सबूत साझा किया जाता है ताकि प्राथमिकी दर्ज हो सके और वह निर्धारित धन शोधन का मामला दर्ज करने के लिए (पुलिस द्वारा दर्ज) संबंधित अपराध का संज्ञान ले सके।

पुलिस को बताया गया कि ईडी को एमएडब्ल्यूएस भर्ती घोटाले से संबंधित सबूत तब मिले जब वह एक बैंक धोखाधड़ी मामले में छानबीन कर रही थी। ईडी ने तमिलनाडु पुलिस को सूचित किया कि उसने कुछ उपकरण ज़ब्त किए हैं जिनमें वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान एमएडब्ल्यूएस के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की भर्ती से जुड़ी परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार और कदाचार से संबंधित सबूत मिले हैं।

सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने लगभग 150 उम्मीदवारों का विवरण साझा किया है जिन्होंने चयन के लिए कथित तौर पर रिश्वत दी थी। उन्होंने बताया कि यह पाया गया कि कथित रिश्वत की राशि नकद में ली गई थी और हवाला नेटवर्क का उपयोग करके स्थानांतरित की गई थी।

बुधवार को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) कार्यालय में केपीसीसी के अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर एक बैठक हुई। बैठक में केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जी.सी. चंद्रशेखर और अन्य उपस्थित थे।

बिहार चुनाव के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंत्रियों से 300 करोड़ रुपये जुटाए : भाजपा नेता

बेंगलूरु/चित्रदुर्ग। वरिष्ठ भाजपा नेता बी श्रीरामुलु ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रचार अभियान के लिए राज्य के मंत्रियों से 300 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का आरोप लगाया। श्रीरामुलु ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या ने यह सब अपनी कुर्सी बचाने के लिए किया। उन्होंने दावा किया कि यह राशि हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा अपने कैबिनेट सहयोगियों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान जुटाई गई थी। चित्रदुर्ग में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा नेता ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की कुर्सी शायद हिल रही है। वह 15 नवंबर को दिल्ली जा रहे हैं। वह अपनी कुर्सी बचाने की कोशिश कर रहे हैं। देखना होगा कि 15 नवंबर के बाद क्या क्रांति' होती है। अगले महीने कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरा होने पर नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसे कुछ लोग 'नवंबर क्रांति' कह रहे हैं। बिहार में छह और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

विल्लुपुरम गांव के पास खुदाई के दौरान 1000 साल पुरानी कलाकृतियां मिलीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विल्लुपुरम जिले के कूटेरीपट्टू के पास पुरातात्विक खोज में लगभग 1,000 साल पुरानी चोल काल की पत्थर की कलाकृतियां मिली हैं। विल्लुपुरम के इतिहासकार सेनगुट्टुवन द्वारा हाल ही में किए गए एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण के दौरान पहचानी गई ये प्राचीन कलाकृतियां, अलाग्राम गांव और उसके आसपास मिलीं, जो अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए पहले से ही जाना जाता है। इनमें वैष्णवी देवी, कौमारी और एक बौद्ध आकृति की जटिल नक्काशीदार मूर्तियां शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक को लगभग 10वीं शताब्दी ईस्वी का माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खोज इस क्षेत्र की धार्मिक विविधता और चोलों के शासनकाल में फली-फूली कलात्मक उत्कृष्टता पर नई रोशनी डालती है।

चिकोडी स्ट्रीट जंक्शन पर वैष्णवी देवी की आधी दबी हुई मूर्ति मिली है। देवी को सुंदर ढंग से विराजमान दिखाया गया है, उनकी चार भुजाएं विशिष्ट विशेषताओं से युक्त हैं। इस मूर्ति की विस्तृत नक्काशी और शांत भाव प्रारंभिक मध्ययुगीन तमिल कला की शैलीगत सटीकता को दर्शाती है। पास ही, चेन्नियाम्मन मंदिर के परिसर में कौमारी की एक और दुर्लभ मूर्ति मिली।

इस खोज में जैन मंदिर मार्ग पर अवलोकितेश्वर (करुणा के बोधिसत्व) को दर्शाती एक बौद्ध प्रतिमा मिली। पांच सिरों वाले सर्प के नीचे स्थापित यह मूर्ति विल्लुपुरम में बौद्ध और जैन परंपराओं के ऐतिहासिक सह-अस्तित्व की ओर इशारा करती है। वरिष्ठ पुरालेखविद् विजय वेणुगोपाल ने कहा कि यह खोज इस क्षेत्र में बौद्ध धर्म के एक समय के जीवंत प्रसार की पुष्टि करती है। पुरातत्वविद् श्रीधरन ने पुष्टि की है कि सभी मूर्तियां चोल काल की हैं और संभवतः अब लुप्त हो चुके शिव मंदिर परिसर का हिस्सा थीं।

इतिहासकार सेनगुट्टुवन ने उचित संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया और बताया कि पास में ही एक आधा दबा हुआ उत्कीर्ण पत्थर का स्लैब भी मिला है। उन्होंने पुरातत्व विभाग (एएसआई) और स्थानीय अधिकारियों से भविष्य के अनुसंधान और संरक्षण के लिए इस स्थल की सुरक्षा करने की अपील की।

भाजपा नेताओं को बेंगलूरु के विकास की चिंता नहीं : शिवकुमार

बेंगलूरु के विकास में भाजपा का क्या योगदान है?

बेंगलूरु। बुधवार को यहां उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सवाल किया कि भाजपा नेताओं को बेंगलूरु के विकास की चिंता नहीं है। उन्होंने अपने कार्यकाल में बेंगलूरु के विकास के लिए क्या किया? शिवकुमार केपीसीसी कार्यालय में मीडिया के सवालों के जवाब दिए।

सांसद तेजस्वी सूर्या के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि वे सुरंग सड़क नहीं बनने देंगे, उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे पर तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हूँ। वे भी विशेषज्ञ नहीं हैं। इसलिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक अलग टीम है। वे इस पर निर्णय लेंगे। वे कह रहे हैं कि शहरी रेल परियोजना बननी चाहिए। बनने दीजिए, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। केंद्र सरकार इसके लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराए। हमारे ही राज्य के सोमन्ना केंद्रीय मंत्री हैं। उन्हें उनकी मदद लेने दीजिए, उन्हें जो करना है करने दीजिए। अगर उन्हें लड़ना है, तो लड़ने दीजिए? उन्होंने कहा कि भाजपा में तेजस्वी सूर्या और अशोक के अलावा कोई और नेता नहीं बोल रहा है।

सुरंग सड़क परियोजना के स्टील ब्रिज की तरह बिखर जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम अपना काम करेंगे। हमारी रुचि को देखते हुए, लोग हमारे प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हमारा काम पूरा होगा।

'नवंबर क्रांति', मुख्यमंत्री परिवर्तन और दलित मुख्यमंत्री पर मंत्रियों की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप बेवजह की बातों से खुद को थकाएँ नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या राहुल गांधी इस महीने की 20 तारीख को राज्य का दौरा करेंगे और कांग्रेस कार्यालय की आधारशिला रखेंगे, तो उन्होंने कहा, 'तारीख अभी तय नहीं हुई है। मैंने एक अनुरोध प्रस्तुत किया है। कार्यालय निर्माण स्थल के लिए दस्तावेज़ तैयार किए जा रहे हैं। आलाकमान के नेताओं ने मुझसे इस बारे में रिपोर्ट माँगी है कि इस कार्यालय के निर्माण में किन लोगों ने रुचि दिखाई है, जिनमें मंत्री, सांसद, ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हैं, और किन लोगों ने इसमें रुचि दिखाई है। मैं एक रिपोर्ट तैयार कर रहा हूँ और मुझे उसे भेजना चाहिए।'

समीक्षा बैठक

बेंगलूरु में बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व में अनुसूचित जातियों के लिए आंतरिक आरक्षण के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, डॉ. एचसी महादेवप्पा, केएच मुनियप्पा, शिवराज एस. तंगडगी, एचके पाटिल, प्रियंक खरगे, बीआर तिम्मापुर, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को उभारने का कार्य करें विश्वविद्यालय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सभी विद्यार्थियों में विशिष्ट प्रतिभा एवं कौशल होता है जिसे प्रोत्साहन मिलने पर विद्यार्थी अपनी कला का प्रदर्शन कर देश एवं दुनिया में नाम रोशन करते हैं। उनके भीतर छुपे कौशल को उभारने के प्रयास विश्वविद्यालयों को करने चाहिए। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर भी विद्यार्थियों में सृजनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए नवाचारों के केन्द्र के रूप में अपनी अलग पहचान कायम करेगा। इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी अपने भीतर छुपी हुई प्रतिभा एवं गुणों को निखार सकेंगे।

राज्यपाल बागड़े बुधवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि प्रैक्टिकल ज्ञान के अभाव में डिग्री का कोई उपयोग नहीं है। इसलिए, विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तक पढ़कर डिग्री हासिल करने की अपेक्षा व्यावहारिक एवं प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करने पर अधिक ध्यान दें। उन्होंने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी के कला-कौशल में इतना निखार लाया जाए कि वे विद्यार्थी बाहर जाकर राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की अलग पहचान कायम करें। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि विद्यार्थियों में विशेष स्किल को निखारने में यह सेंटर उपयोगी साबित होगा। उन्होंने नवनिर्मित सेंटर के उद्घाटन के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बागड़े ने कहा कि प्राचीन गुरुकुल पद्धति में विद्यार्थी सुनकर सीखते थे और इससे उनकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती थी। अन्य देशों के विद्वान हमारे यहां के प्रसिद्ध नालंदा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने आते थे। हमारी इंजीनियरिंग एवं कला भी उन्नत थी। 1935 में लॉर्ड मैकाले यहां के लोगों को गुलाम बनाने के लिए अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लेकर आया और हमारी प्राचीन शिक्षा पद्धति बंद करवा दिया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि शिक्षा जितनी व्यापक एवं गहरी होगी हमारा समाज उतना ही संपन्न होगा। 2020 में लाई गई नई शिक्षा नीति भी पूरे देश के 400 कुलपतियों एवं 1000 शिक्षाविदों ने दो साल तक मंथन करने के बाद तैयार की है। नई शिक्षा नीति से विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता का विकास होगा और भारत विश्वगुरु बनने की और अग्रसर होगा।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 11 सालों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। देश की अर्थव्यवस्था विश्व में चौथे पायदान पर पहुंच गई है और शीघ्र ही तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का आह्वान किया कि आगे बढ़कर राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में योगदान दें। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर उनमें कौशल विकसित करना है। हमारे तकनीकी विश्वविद्यालय इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। शिक्षा में अब केवल पाठ्यपुस्तक एवं कक्षा-कक्ष तक सीमित नहीं रहकर विद्यार्थी को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. निमित चौधरी ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

महाराणा प्रताप का बलिदान, देशभक्ति युगों-युगों तक गूंजती रहेगी: ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कोटा जिले के रामगंज मंडी कस्बे में मेवाड़ के पूर्व राजा महाराणा प्रताप की भव्य अश्वारोही प्रतिमा का अनावरण किया। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस समारोह में उपस्थित थे। बिरला ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वाभिमान किसी भी शक्ति या वैभव से बढ़कर है। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में एक शक्तिशाली सेना के खिलाफ लड़ते हुए महाराणा प्रताप के हृदय में प्रज्वलित ज्वाला ने ही मुगल सल्तनत के अहंकार को कुचल दिया था।

बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के गौरव हैं और उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ है, जो हमारी आंतरिक शक्ति को सदैव नयी ऊर्जा प्रदान करता रहेगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि महाराणा प्रताप का नाम सुनते ही प्रत्येक भारतीय के हृदय में गौरव और श्रद्धा की भावना जागृत हो जाती है।

उन्होंने कहा कि हाड़ौती में महाराणा प्रताप की प्रतिमा उस राजा के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के सम्मान और गौरव के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल शक्ति से नहीं, बल्कि नीति, न्याय और करुणा से किया जाता है।

उन्होंने कहा, जब महाराणा प्रताप ने युद्ध के बाद भी अपनी प्रजा की रक्षा को सर्वोच्च माना, तो उन्होंने यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि एक राजा का कर्तव्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि लोक कल्याण की रक्षा करना भी होता है। कोटा से सांसद बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप के शासन में जाति, वर्ग या पंथ का कोई भेदभाव नहीं था।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के शासन में सभी के लिए समान न्याय और सम्मान का वातावरण था, जो आज के लोकतांत्रिक भारत की आत्मा से गहराई से जुड़ा हुआ है। बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी स्वशासन और स्वाभिमान का जो असाधारण उदाहरण स्थापित किया, वह आज भी हमारे राष्ट्र का मार्गदर्शन करता है।

राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में बुधवार को मालिक अभिनव तिवारी अपनी 16 इंच लंबी गाय के साथ जिसे पुष्कर मेले में सबसे छोटी गायों में से एक माना जाता है। इस गाय को वे जयपुर के बगरू से विभिन्न नस्लों की अन्य गायों के साथ लाए थे।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत, स्वास्थ्य आधार पर मिली सशर्त जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार को आसाराम को बड़ी राहत देते हुए रेगुलर जमानत मंजूर कर दी है। यह फैसला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की डिवीजन बेंच ने सुनाया। आसाराम की ओर से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए नियमित जमानत याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर आज जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने आसाराम को उपचार और स्वास्थ्य संबंधी कारणों को देखते हुए राहत दी। ज्ञात हो कि आसाराम इस समय जोधपुर की जेल में यौन शोषण के मामले में सजा काट रहे हैं। इससे पहले भी उन्हें कई बार अस्थायी जमानत दी गई थी और कई बार जमानत देने से इनकार किया था। लेकिन लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य और चिकित्सीय रिपोर्टों को देखने के बाद अदालत ने इस बार रेगुलर जमानत को मंजूरी दी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला शर्तों के साथ जमानत के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके तहत आसाराम को इलाज के दौरान अदालत द्वारा तय नियमों का पालन करना होगा।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अंत्योदय का संकल्प धरातल पर तेजी से हो रहा साकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनसेवा के मूल मंत्र को धरातल पर साकार करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से लाखों लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया है। इन शिविरों ने 18 विभागों की सेवाओं को एक ही छत के नीचे आमजन को उपलब्ध करवाकर सुशासन की नई मिसाल कायम की है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर प्रारंभ हुए ये शिविर मुख्यमंत्री शर्मा की जनकेन्द्रित कार्यक्रमों का प्रमुख उदाहरण के रूप में उभरे हैं। इन्होंने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को मूर्त रूप दिया है। प्रशासन ने आमजन की दहलीज पर पहुंचा और जनोपयोगी कार्यों का संवेदनशीलता और पारदर्शिता से निस्तारण किया।

अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति में ये शिविर अहम साबित हुए हैं। इनसे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी आबादी को राहत मिली है। सेवा शिविरों के अब तक (17 सितम्बर से 25 अक्टूबर) 1 लाख 99 हजार से अधिक पट्टा वितरण और 2 लाख 67 हजार से अधिक मंगला पशु बीमा पॉलिसी जारी की गई है। साथ ही, 1 लाख 25 हजार से अधिक जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन, 2 लाख 8 हजार से अधिक जाति प्रमाण पत्र और 1 लाख 75 हजार से अधिक मूल निवास प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं। इसी प्रकार 2 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का सत्यापन, 1 लाख 51 हजार से अधिक जनधन योजना के अंतर्गत बैंक खातों का खोलना तथा 1 लाख 42 हजार से अधिक नई स्ट्रीट लाइट्स को लगाना और मरम्मत कार्य किए गए हैं। वहीं, 17 लाख से अधिक किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया तथा 10 लाख 96 हजार से अधिक नागरिकों की टीबी की जांच के साथ 24 लाख 84 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया गया।

प्रदेशभर में आयोजित हुए इन शिविरों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर 97 हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण और जन आधार योजना में 1 लाख 14 हजार से अधिक पात्रों का संशोधन और अद्यतन किया गया। वहीं, 25 हजार से अधिक लोगों के स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण आवेदन लेने के साथ ही 75 हजार से अधिक को वय वंदन कार्ड जारी किए गए।

बिगड़े मौसम की वजह से पशु पालकों पर मौसम की मार, ठिठुरने को मजबूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर। दो दिन से बिगड़े मौसम की वजह से पुष्कर पशु मेले में पशुओं की आवक पर प्रभाव पड़ा साथ ही पशुओं का कारोबार भी प्रभावित हुआ। मंगलवार को दिनभर तेज शीतलहर चलने से रेतीले धोरों में लगे पशुओं व पशुपालकों के तंबू उखड़ गए तथा पशुपालक ठिठुरते रहे। दो दिन से पशुपालक ठंड़ व बारिश से बचाव के जतन कर रहे है। कोई पशुओं को बोरियां, चादर, प्लास्टिक की पन्नी और कंबल ओढ़ा रहे तो कोई तथा अलाव जलाकर ठंड से बचाव कर रहे है। मौसम के कारण मेला मैदान में विदेशी मेहमान भी कम नजर आए।

परबतसर के ऊंटपालक राम सिंह ने बताया कि रिमझिम बरसात व तेज हवा के कारण रात को एक पल भी नींद नहीं ले सके। बारिश व ठंड से बचाव करने में ही रात गुजर गई। वहीं सांचोर के पशुपालकों ने कहा कि अगर ऐसा ही मौसम रहा तो मेला बिखर जाएगा। पुष्कर पशु मेले में होने वाली अश्वों की खरीद-फरोख्त पर इस बार 5 प्रतिशत जीएसटी देना अनिवार्य होगा। इसके लिए पशुपालन विभाग को अश्व क्रेता-विक्रेता को एनओसी जारी करने से पहले राज्य कर विभाग को सूचित करना होगा।

बिहार को बदलाव चाहिए, महागठबंधन का चुनाव जीतना देश के लिए जरूरी : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को विपक्षी दलों के 'महागठबंधन' के लिए बिहार विधानसभा चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बिहार को बदलाव चाहिए और महागठबंधन का यह चुनाव जीतना देश के लिए जरूरी है। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के प्रदर्शन संबंधी एक सवाल पर गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा,इस बार चुनाव जीतना केवल हमारे लिए बहुत जरूरी नहीं है, बल्कि देश के लिए भी जरूरी है।

उन्होंने कहा,और यह चुनाव खाली बिहार का नहीं हो रहा है। एक प्रकार से देश में संदेश देने का चुनाव है कि हरियाणा में क्या हुआ, दिल्ली में क्या हुआ और महाराष्ट्र में क्या हुआ? उसे (भाजपा नीत राजग को) घमंड हो गया है लेकिन लोकतंत्र यह उचित नहीं है। मैं मानता हूं कि बीस साल के बाद में बिहार में बदलाव होना चाहिए। महागठबंधन बदलाव के लिए पूरी ताकत लगाएगा । हम सब एकजुट हैं और हम लोग अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे।

बिहार के लिए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गहलोत ने एक सवाल के जवाब में नीतीश कुमार एवं भारतीय जनता पार्टी के बीच रिश्तों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार को सरकार में 20 साल हो गये, वह कई पार्टियां बदलते गए, गठबंधन करते गए। उससे उनकी छवि भी अच्छी नहीं रही। कहां तो वह प्रधानमंत्री के उम्मीदवार थे लेकिन आज उनको भाजपा वाले पूरी तरह पूछ भी नहीं रहे हैं। गहलोत ने कहा, चाहे वह अमित शाह हों, चाहे कोई अन्य भाजपा नेता, वे बातें करते हैं कि हम तो चुनाव के बाद में देखेंगे कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा।

राजस्थान के बीकानेर स्थित एक पशु बचाव केंद्र में एक कर्मचारी तोतों को खाना खिलाता हुआ।

गाय का दूध, घी, दही, छाछ स्वास्थ्यवर्धक : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। गोपालन विभाग की ओर से गोपाष्टमी के अवसर पर प्रदेशभर गोशालाओं में गौमाता का पूजन किया गया। इसी कड़ी में बुधवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कोटा के झालावाड़ रोड स्थित लखावा गौशाला में गौमाता का पूजन किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला का निरीक्षण कर गौशाला संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कुमावत ने गाय की पूजा की और गोमाता को तिलक लगाकर माला पहनाकर कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने गौमाता को हरा चारा खिलाकर सेवा की। इस दौरान मौजूद गोभक्तों ने गो माता को रोटी, लड्डू, गुड़, हरा चारा खिलाकर पुण्य फल कमाया। साथ ही दीपक जलाकर फूलों की वर्षा करके गो माता की पूजा की। इससे पहले मंत्री कुमावत ने भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की । इसके बाद उन्होंने सप्त ऋषि मंदिर में परिक्रमा लगाई। इस मौके पर गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोपाष्ठमी पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि गोपाष्टमी के दिन गौ सेवा करने वाले व्यक्ति के जीवन में कभी कोई संकट नहीं आता। जिस प्रकार एक मां अपनी संतान को हर सुख देना चाहती है। उसी प्रकार गो माता भी सेवा करने वाले जातकों को अपने कोमल हृदय में स्थान देती हैं और उनकी हर मनोकामना पूरी करती हैं। गाय का दूध, घी, दही, छाछ और यहां तक कि उनका मूत्र भी स्वास्थ्यवर्धक होता है।

यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि हम गौमाता के ऋणी हैं। हमें उनका सम्मान करना चाहिए और सेवा करनी चाहिए। पौराणिक कथाओं में यह व्याख्या है कि किस तरह से भगवान कृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं में गौमाता की सेवा भी की है। इस दिन गऊ पूजन से भगवान कृष्ण खुश होते हैं। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद गौ संरक्षण को बढ़ावा दिया गया है।

प्रदेश की तीन हजार से अधिक गौशालाओं को सरकारी को ओर से अनुदान दिया जा रहा है। कुमावत ने कहा कि देसी गाय के गोबर एवं मूत्र से जीरो बजट की खेती कर भारत की अर्थव्यवस्था के 16 लाख करोड़ रुपए बचाए जा सकते हैं। देसी गाय के गोबर एवं मूत्र की खेती से भारत का आदमी पूर्ण स्वस्थ बनेगा।

उन्होंने कहा कि 10 ग्राम गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाने से वायुमंडल में एक टन ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। इससे पहले गौशाला पहुंचने पर मंत्री कुमावत का तिलक लगाकर, दुप्पटा व फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन, सरस डेयरी, कोटा के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़, अंता पंचायत समिति के प्रधान प्रखर कौशल, पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश मीणा, सीनियर वेटनरी ऑफिसर डॉ. जयप्रकाश मीणा, गौशाला समिति के अध्यक्ष डॉ. सचित भोला, व्यवस्थापक लोकेश कुमार सहित अनेक प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

राजद के लोगों ने आडवाणी की रथ यात्रा रोककर पाप किया था : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिवान/भोजपुर/बक्सर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद के लोगों ने करीब 35 साल पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की राम रथ यात्रा को रोक कर पाप किया था। भाजपा नेता ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान सिवान, भोजपुर और बक्सर जिलों में लगातार तीन सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने लालू प्रसाद के नाम लिए बगैर 1990 में समस्तीपुर की उस घटना का जिक्र किया, जिस पर राजद प्रमुख अपनी 'धर्मनिरपेक्ष' छवि के प्रमाण के रूप में अक्सर गर्व जताते रहे हैं।

योगी ने दावा किया, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण ने उस कलंक को मिटा दिया जिससे देश 500 वर्ष तक व्यथित था। लेकिन राजद के लोगों ने भगवान राम की रथ यात्रा को रोक कर पाप किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, राजद की सहयोगी कांग्रेस दावा कर चुकी है कि भगवान राम का अस्तित्व ही नहीं था।

उनका इशारा वर्ष 2007 में उच्चतम न्यायालय में दायर एक हलफनामे की ओर था, जब केंद्र में कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार थी।

योगी आदित्यनाथ ने 1989 की उस घटना को भी उठाया, जब उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस-राजद के सहयोगी समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोली चलवाने का आदेश दिया था।

लालू बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहतीं, पर दोनों पद खाली नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/दरभंगा/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महागठबंधन को 'ठगबंधन' करार दिया और कहा कि लालू प्रसाद अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री और सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन ये दोनों पद रिक्त नहीं हैं।

दरभंगा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कई युवा उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि राजद और कांग्रेस ऐसा नहीं कर सके, क्योंकि लालू जी बेटे को और सोनिया जी राहुल बाबा को शीर्ष पद पर बैठाना चाहती हैं। उन्होंने दावा किया कि लालू प्रसाद चारा, बिटुमेन और जमीन के बदले नौकरी' घोटालों में लिप्त रहे हैं, जबकि कांग्रेस पर 12 लाख करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए यह सवाल भी किया कि अगर राजद-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी, तो प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के गिरफ्तार सदस्यों को जेल में रखा जाएगा या नहीं? शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ही पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया और देशभर में तलाशी अभियान चलाकर उसके सदस्यों को जेल भेजा।

रैवेनशॉ विश्वविद्यालय के 15 छात्र संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण अस्पताल में भर्ती

कटक (ओडिशा)/भाषा। रैवेनशॉ विश्वविद्यालय के 15 छात्रों को संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण बुधवार को एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उल्टी कर रहे छात्रों ने दावा किया कि वे पूर्वी छात्रावास में एक 'प्यूरीफायर' से पानी पीने के बाद बीमार पड़ गए, जबकि अधिकारियों ने इस आरोप से इनकार करते हुए कहा कि नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। छात्रावास वार्डन शरत कुमार राउत ने कहा कि छात्रों की हालत ठीक है और वे चिकित्सकीय निगरानी में हैं। उन्होंने कहा, पूर्वी छात्रावास में कुल 183 छात्र रहते हैं। अगर खाने या पानी में कोई गड़बड़ी होती, तो इसका असर दूसरे छात्रों पर भी पड़ता। हमें शक है कि जो छात्र बीमार पड़े, उन्होंने बाहर कुछ खाया होगा।

राउत ने बताया कि छात्रावास के पानी और भोजन के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट से भोजन और पानी की गुणवत्ता का पता लग जाएगा।

कांग्रेस घुसपैठियों के साथ खड़ी है, वोट के लिए भारत को तोड़ रही है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर घुसपैठियों के साथ खुलेआम खड़े होने और वोट के लिए भारत को तोड़ने के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया।

यह आरोप सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो के बाद लगाया गया है जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस के एक नेता असम में सेवा दल की आधिकारिक बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हुए नजर आ रहे हैं। भाजपा के आरोप पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस वर्षों से बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ खड़ी रही है। इसने अपने शासन के दौरान इन घुसपैठियों को बसने में मदद की। और अब, कांग्रेस आधिकारिक तौर पर पार्टी के मंच से उनका समर्थन कर रही है और उसके नेता बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रहे हैं। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह संयोग नहीं है। यह वोट बैंक के लिए एक सोचा-समझा प्रयोग और उद्योग है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इस पर प्रतिक्रिया मांगी।

यह घटना सोशल मीडिया पर एक अज्ञात वीडियो के सामने आने के बाद हुई, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारी बिधु भूषण दास दक्षिणी असम की बराक घाटी के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस सेवा दल की बैठक में कथित तौर पर बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पूनावाला ने आरोप लगाया, कांग्रेस के एक बड़े नेता उस बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हैं जिसने हाल ही में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर असम को अलग करने के लिए भड़काऊ बयान दिया था। कांग्रेस आधिकारिक तौर पर 'भारत के टुकड़े-टुकड़े' एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सामने आई है।

भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटकों पर भी निशाना साधा और टीएमसी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार पश्चिम बंगाल में दंगे भड़काने की साजिश रच रही है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने 11 अन्य प्रदेशों के साथ राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। उन्होंने इस संबंध में कुछ तृणमूल कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर कराए जाने पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हिंसा और हमले की धमकी दी है। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया, ममता बनर्जी ने खुद कहा है कि अगर राज्य में एसआईआर लागू किया गया तो बंगाल में दंगे होंगे। उन्होंने कहा, क्या कांग्रेस और 'इंडिया' बंगाल सरकार द्वारा दंगे भड़काने की साजिश, राज्य में एसआईआर के कार्यान्वयन और चुनाव आयोग के अधिकारियों पर हमले के बारे में कुछ कहेंगे? भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी दलों पर एसआईआर के कार्यान्वयन पर दोहरा मापदंड अपनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वही विपक्ष - कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार), समाजवादी पार्टी - स्थानीय निकाय चुनावों से पहले महाराष्ट्र में एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे हैं। पूनावाला ने विपक्ष से पूछा, ये एसआईआर (महाराष्ट्र में) अच्छा है, और बाकी 12 राज्यों में होने वाला एसआईआर बुरा? एक एसआईआर धर्मनिरपेक्ष कैसे हो जाता है और दूसरा एसआईआर सांप्रदायिक कैसे हो जाता है?

नर्मदा नदी में छोड़े जाएंगे मगरमच्छ, मध्यप्रदेश सरकार संरक्षण के लिए है प्रतिबद्धः मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार मां नर्मदा के पवित्र वाहन माने जाने वाले मगरमच्छों को इस नदी में छोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है।

नर्मदा नदी का प्रवाह मगरमच्छों के आवास के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि बृहस्पतिवार को इन सरीसृपों को नदी में छोड़ा जाएगा। यादव इस उद्देश्य के लिए बृहस्पतिवार को खंडवा जिले के नर्मदानगर का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में वन्यजीवों और जलीय प्रजातियों, जिनमें घड़ियाल और मगरमच्छ शामिल हैं, की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले साल चंबल नदी में घड़ियाल छोड़े गए थे। यादव ने कहा कि राज्य में सभी वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में मानव और वन्यजीव एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

जलवायु परिवर्तन को लेकर उच्च स्तरीय कार्यबल की आवश्यकता: भाजपा विधायक

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक राजेश्वर सिंह ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से एक उच्च स्तरीय कार्यबल गठित करने का आग्रह किया है जो 'विकसित भारत 2047' एजेंडे के तहत देश के लिए एकीकृत जलवायु रूपरेखा तैयार कर सके। लखनऊ की सरोजिनी नगर विधानसभा सीट से विधायक ने इस महीने की शुरुआत में एक्सेटर विश्वविद्यालय, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य द्वारा प्रकाशित 'ग्लोबल टिपिंग पॉइंट्स रिपोर्ट 2025' के मद्देनजर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और उत्तर प्रदेश के उनके समकक्ष अरुण कुमार सक्सेना को एक पत्र लिखा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पृथ्वी अब अपने पहले प्रमुख जलवायु परिवर्तन 'टिपिंग पॉइंट' को पार कर चुकी है जिससे दुनियाभर में लाखों लोगों की आजीविका खतरे में पड़ गई है। जलवायु विज्ञान में, 'टिपिंग पॉइंट' वह नाजुक सीमा है जिसके पार होने पर जलवायु प्रणाली में अचानक, तेज और अक्सर अपरिवर्तनीय बदलाव होते हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व अधिकारी और उच्चतम न्यायालय के वकील सिंह ने पत्र में कहा, ''मैं आग्रह करता हूं कि भारतीय संदर्भ में 'ग्लोबल टिपिंग पॉइंट्स रिपोर्ट 2025' के निष्कर्षों का विश्लेषण करने तथा भारत और उत्तर प्रदेश के लिए एक रूपरेखा तैयार करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर एक संयुक्त उच्च स्तरीय कार्यबल का गठन किया जाए।'' सिंह ने दोनों मंत्रियों को भेजे पांच पृष्ठों के अपने पत्र में वैश्विक संकेतकों पर नजर रखने तथा इन निष्कर्षों को नीतिगत निर्णयों में शामिल करने के लिए 'टिपिंग प्वाइंट' को लेकर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर जोखिम आकलन प्रकोष्ठ की स्थापना का सुझाव दिया है। विधायक ने 2026 तक एक एकीकृत जलवायु रूपरेखा विकसित करने की भी सिफारिश की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ''विकसित भारत 2047'' का दृष्टिकोण आगे बढ़े।

भक्तों ने राम मंदिर के लिए तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक का दान दिया : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने तीन हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का दान दिया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। मिश्र ने बताया कि 2022 में शुरू हुए निधि समर्पण अभियान के बाद से देश भर से श्रद्धालुओं ने उदारतापूर्वक दान दिया है तथा राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने तीन करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मंदिर परियोजना की कुल लागत लगभग 1800 करोड़ रुपए आंकी गई है और अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपए का बिल तैयार हो चुका है।

मिश्र ने कहा कि 2022 के बाद दान देने वाले समेत सभी दानदाताओं को आगामी 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे और मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। बुधवार को ध्वजारोहण समारोह का परीक्षण किया गया। मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री के 70 एकड़ के मंदिर परिसर में शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला और सप्त मंडपम भी जाने की उम्मीद है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के अनुसार मुख्य मंदिर के अंदर एक बार में पांच हजार से आठ हजार श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था की गई है। दक्षिणी निकास द्वार तक दर्शन मार्ग में 20 मिनट लगेंगे जबकि सुग्रीव किले तक पूरे मार्ग में लगभग 40 मिनट लगेंगे। मिश्र ने बताया कि ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने और प्रधानमंत्री के दौरे एवं कार्यक्रम के विवरण पर चर्चा के लिए राम मंदिर निर्माण समिति की एक बैठक हुई।

नीतीश का रिमोट कंट्रोल भाजपा के पास, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री चला रहे हैं बिहार की सरकार : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान का आगाज करते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि उनका रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में है। उन्होंने मुजफ्फरपुर और दरभंगा में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी एवं भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं तथा मोदी बिहार का विकास नहीं कर सकते। इन सभाओं में महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव एवं इस गठबंधन के घटक दलों के कुछ नेता शामिल हुए।

राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का एक बार फिर दावा किये जाने का हवाला देते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दी कि वह बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान यह कहकर दिखाएं कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कभी ऐसा नहीं बोलेंगे क्योंकि उनमें दम नहीं है। राहुल गांधी का दावा था कि प्रधानमंत्री मोदी बिहार का विकास नहीं कर सकते। उन्होंने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर भी तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा, ''बिहार में 20 साल से नीतीश जी सरकार चला रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए उन्होंने क्या किया?

मुझे प्रतिका के लिए बुरा लगा लेकिन भगवान ने मुझे कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है : शेफाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। शेफाली वर्मा को प्रतिका रावल के चोटिल होने का दुख है लेकिन उन्हें लगता है कि भगवान की कृपा के कारण वह आधिकारिक रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में नहीं होने के बावजूद भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रही हैं। प्रतिका को बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लग गयी थी। वह टखने में हेयरलाइन फ्रैक्चर के कारण इस विश्व कप से बाहर हो गयी है। शेफाली को जब भारतीय टीम का बुलावा आया तब वह सूरत में राष्ट्रीय महिला टी20 में हरियाणा की कप्तानी कर रही थीं।

शेफाली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले संवाददाताओं से कहा, ''एक खिलाड़ी होने के नाते प्रतिका के साथ जो हुआ, वह अच्छी बात नहीं थी। कोई नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी को ऐसी चोट लगे। ईश्वर ने लेकिन मुझे कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है।'' इस युवा सलामी बल्लेबाज ने हरियाणा के लिए अपने पिछले मैच में 24 गेंदों में 55 रनों की पारी खेली थी। वह इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत ए के लिए शानदार लय में थी।

पहले से अधिक फिट नजर आ रहे हैं ऋषभ पंत : सुदर्शन

बेंगलूरु/भाषा। भारत ए के उप कप्तान साई सुदर्शन ने बुधवार को कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अधिक फिट दिख रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैचों की चार दिवसीय शृंखला में खेलने के लिए तैयार हैं।

भारत ए की कप्तानी करने वाले पंत तीन महीने के अंतराल के बाद वापसी कर रहे हैं। जुलाई में इंग्लैंड में उन्हें पैर में चोट लगी थी। उनके भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की टेस्ट शृंखला में खेलने की संभावना है। सुदर्शन ने भारत ए के अभ्यास सत्र के बाद कहा, ''ऋषभ वास्तव में फिट नजर आ रहे हैं। मैं कहूंगा कि वह पहले से अधिक फिट दिख रहे हैं। उनके पास अच्छी फिटनेस हासिल करने के लिए समय था। मुझे लगता है कि वो पहले से ज़्यादा फिट, मज़बूत और हमेशा की तरह निर्भीक नजर आ रहे हैं।' तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने कहा कि पंत अभ्यास सत्र के दौरान अपने चिर परिचित अंदाज में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''ऋषभ पंत का सभी को स्पष्ट संदेश था कि यह हम सभी के लिए लय हासिल करने का शानदार मौका है और हम जीतने के लिए खेलेंगे।''

रोहित पहली बार आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष एकदिवसीय बल्लेबाज बने

दुबई/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अपने शानदार करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

इस 38 साल के दिग्गज ने सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे और अंतिम वनडे में यादगार शतक (नाबाद 121) की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर इतिहास रच दिया। उनकी इस पारी से भारत ने नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। दायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली (नाबाद 74) के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने 33वीं वनडे शतकीय पारी के दौरान 13 चौके और तीन छक्के जड़े। रोहित ने अपनी इस पारी से अफगानिस्तान के धाकड़ बल्लेबाज इब्राहिम जदरान और भारत के अपने साथी शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया और पहली बार वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजों की शीर्ष रैंकिंग हासिल की। इस नवीनतम रैंकिंग में रोहित के अलावा कुछ और भारतीय खिलाड़ी अपनी स्थिति को सुधारने करने में सफल रहे। अक्षर पटेल हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में चार स्थान के सुधार के साथ आठवें जबकि गेंदबाजों की सूची में छह स्थान के सुधार के साथ 31वें स्थान पर पहुंच गये हैं। शीर्ष 10 रैंकिंग में सुधार करने वालों में न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर (तीन स्थान के सुधार के साथ चौथे स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (दो स्थान के सुधार के साथ आठवें) शामिल है।

'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' से समझौता नहीं, अपराधी सलाखों के पीछे होंगे : तेजस्वी

मुजफ्फरपुर/दरभंगा/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने बुधवार को कहा कि उन्हें यदि सत्ता में आने का मौका मिला तो 'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' (भ्रष्टाचार, अपराध और सांप्रदायिकता) से समझौता नहीं किया जाएगा तथा उनकी परछाई भी गलत काम करेगी तो उसे भी सजा मिलेगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में फैक्ट्री खोलते हैं, लेकिन 'विक्ट्री' (जीत) बिहार में चाहते हैं। राष्ट्रीय जनता दल के नेता ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ मुजफ्फरपुर और दरभंगा में दो संयुक्त सभाओं को संबोधित किया।

तेजस्वी ने दरभाग की जनसभा में कहा, प्रधानमंत्री की दिलचस्पी गुजरात में फैक्ट्री लगाने में है लेकिन बिहार में विक्ट्री चाहिए। यह नहीं होने वाला है। उन्होंने अपने चुनावी वादों का उल्लेख करते हुए कहा, हम बिहार सरकार के सभी संविदाकर्मी कर्मचारियों को स्थायी करेंगे। राजद नेता ने दावा किया कि राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा हाल में उठाए गए कई जनकल्याणकारी कदम उनकी घोषणाओं की नकल हैं। उनका कहना था, हमने 200 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा किया था। सत्ता में बैठे लोग डर गए कि यह जनता को पसंद आएगा, इसलिए उन्होंने 125 यूनिट मुफ्त कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया को भारत से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद : नित्शेके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। ऑस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली नित्शेके ने महिला विश्व कप सेमीफाइनल से पहले बुधवार को यहां कहा कि भारतीय के बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया किसी तरह के भ्रम में नहीं है और उसे इस मुकाबले में 'कड़ी टक्कर' मिलने की उम्मीद है।

भारत को इस मैच में शानदार लय में चल रही सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गयी है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया विश्व कप में अब तक अजेय है। उसके सामने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान भारत की चुनौती होगी। पूर्व स्पिनर नित्शेके ने ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास सत्र के पहले मीडिया से कहा, ''हमें एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसमें कोई शक नहीं है। मुकाबले के लिए परिस्थितियां शानदार है और इस मैच के दौरान स्टेडियम प्रशंसकों से भरे रहने की संभावना है। '' उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि भारत का बल्लेबाजी क्रम वाकई मजबूत है। उनके बल्लेबाजों को हमारे खिलाफ रन बनाना पसंद है। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उनके लिए तैयार रहें क्योंकि भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी लंबा है।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम उस बल्लेबाजी क्रम की गहराई और कौशल को लेकर किसी भ्रम में नहीं हैं। हमने निश्चित रूप से योजना बनाई है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि हम उसे सही तरीके से अंजाम दे।''

नित्शेके से जब पूछा गया कि क्या प्रतिका रावल की गैरमौजूदगी को उनकी टीम के लिए राहत की बात है। उन्होंने कहा, '' 'राहत'? मुझे पता है कि उनकी बल्लेबाजी क्रम में काफी गहराई है। इसमें कोई शक नहीं कि प्रतिका और (स्मृति) मंधाना की सलामी जोड़ी काफी सफल रही है।'' उन्होंने कहा, '' मैं इसे किसी तरह की राहत नहीं मानूंगी क्योंकि वह जिसे भी आजमाये उनकी बल्लेबाजी की गहराई कम नहीं होगी। हमें निश्चित रूप से तैयार रहना होगा और पारी के आगाज के लिए जो भी संयोजन आजमाये उसके लिए हमें वास्तव में अच्छी योजना के साथ मैदान में जाना होगा।'' नित्शेके ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली को फिटनेस हासिल करने के लिए पूरा समय दिया जायेगा। हीली पिंडली में मामूली खिंचाव के कारण पिछले दो लीग मैच नहीं खेल पाई थीं। उन्होंने कहा, ''उसने कल (मंगलवार) अच्छी ट्रेनिंग की। मैं उसे कल के मैच से पहले अपनी उपलब्धता पर फैसला लेने के लिए जितना समय चाहिए, उतना समय दूंगी।'' नित्शेके ने कहा कि दोनों में से कोई भी टीम सेमीफाइनल मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार नहीं है।

उन्होंने कहा, ''सेमीफाइनल किसी का भी मैच हो सकता है, मुझे नहीं लगता कि हम कमजोर या दावेदार के रूप में जा रहे हैं। यह बराबरी का और रोमांचक मुकाबला होगा। जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी और सेमीफाइनल के दबाव को पार कर पाएगी, उसे जीत मिलनी चाहिए।''

सुविचार

हर कठिनाई एक अवसर है, जो हमें और मजबूत और सशक्त बनाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिक्षा के साथ संस्कार भी दें

देश में गंभीर अपराधों में उच्च शिक्षित लोगों की बढ़ती भूमिका चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में ऐसे कई लोग बड़े अपराधों में लिप्त पाए गए हैं, जो या तो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे थे या उनके पास कोई डिग्री थी। शिक्षा तो बुराइयों से मुक्त करती है। पहले, जब कोई व्यक्ति किसी गंभीर अपराध में लिप्त पाया जाता था तो यह तर्क दिया जाता था कि शिक्षा के अभाव के कारण वह गलत रास्ते पर चला गया। अब देश में शिक्षा का स्तर काफी बेहतर हो गया है। हर हाथ में मोबाइल फोन है, जिस पर दुनियाभर की जानकारी उपलब्ध है, लेकिन अपराध घटने के बजाय बढ़ ही रहे हैं। बल्कि अपराधों के तौर-तरीके बदल रहे हैं। जब शिक्षा के साथ संस्कार नहीं दिए जाते तो व्यक्ति इसी तरह गुमराह होता है। दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा के एक अभ्यर्थी का खौफनाक हत्याकांड रोंगटे खड़े कर देता है। उसकी लिव-इन पार्टनर पर अपराध को अंजाम देने का आरोप है, जो फोरेंसिक विज्ञान की छात्रा है। उसने अपराध करने से पहले अपने ज्ञान का इस्तेमाल किया, कई वेब सीरीज भी देखीं। युवती ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर उक्त हत्याकांड को हादसे की तरह दिखाने की पूरी कोशिश की, लेकिन पुलिस की तफ्तीश में सच सामने आ ही गया। इन युवक-युवती के बारे में एक और बात हैरान करने वाली है। युवती का आरोप है कि युवक के पास उसके निजी वीडियो थे, जिन्हें वह डिलीट नहीं कर रहा था। ध्यान रहे, ये दोनों अभी 'पढ़ाई' कर रहे थे। जो उम्र ज्ञान प्राप्त करने और चरित्र का निर्माण करने की होती है, उसमें ये क्या गुल खिला रहे थे? यह घोर नैतिक पतन है, जिसकी ओर सरकारों, परिवारों और शिक्षकों को ध्यान देना चाहिए।

शिक्षा का उद्देश्य बेहतर इन्सान बनाना है। अगर किताबें पढ़ने, परीक्षाएं उत्तीर्ण करने, डिग्रियां लेने के बावजूद ऐसे कांड होंगे तो संपूर्ण व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न लगना स्वाभाविक है। नोएडा में पुलिस ने एक युवक को डेढ़ करोड़ रुपए मूल्य की चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी बीसीए उत्तीर्ण है। हाल में झारखंड के एक युवक का ऑडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा था, जो बीटेक उत्तीर्ण कर चुका है और ऑनलाइन ठगी करता है। वह अपने तकनीकी ज्ञान का इस्तेमाल लोगों को धोखा देने के लिए करता है। इसी तरह, दिल्ली का एक युवक बहुत अच्छी अंग्रेजी बोलता है। वह बातचीत करने में महारत रखता है। उसकी विनम्रता देखकर कई लोगों को भ्रम हो सकता है। उस युवक पर सोशल मीडिया पर झूठा प्रोफाइल बनाकर कई युवतियों को शादी का झांसा देने और उनसे लाखों रुपए ठगने का आरोप है। ऐसे अनगिनत उदाहरण मिल जाएंगे, जिनसे एक ही संकेत मिलता है- शिक्षा में संस्कारों को शामिल करने की जरूरत है। विद्यार्थियों को सिखाना होगा कि पढ़ाई-लिखाई सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं है। पेट तो पशु भी भर लेता है। हम इन्सान हैं। हम में नैतिकता, मानवता, दया और करुणा की भावना होनी चाहिए। स्कूली बच्चों को बार-बार इस बात का बोध कराना चाहिए कि आपको दी जा रही शिक्षा सिर्फ रोजगार हासिल करने के लिए नहीं है। आपको चरित्रवान भी बनना है, बुराइयों से दूर रहना है। रोजी-रोटी जीवन की जरूरत है। इसके लिए चरित्र को कलंकित नहीं करना है। अगर मानवता और नैतिकता को गंवाकर कुछ हासिल कर भी लिया तो इसमें बहुत बड़ा नुकसान है। ऐसी सफलता ज्यादा दिनों तक साथ नहीं देगी, बल्कि ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर देगी, जहां अंधेरे के अलावा कुछ नजर नहीं आएगा।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा के रामगंजमंडी में आज मातृभूमि के अमर सपूत, राष्ट्र के गौरव और शौर्य के प्रतीक वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की अश्वारूढ़ प्रतिमा के भव्य अनावरण समारोह में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला।

-ओम बिरला

हम देशभर के अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए रबी सीजन के लिए फॉस्फोरस और पोटाश उर्वरकों पर सब्सिडी को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं को किफायती दर पर उर्वरक उपलब्ध हो सकेंगे।

-नरेन्द्र मोदी

आज भारत की महामहिम राष्ट्रपति आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से अत्याधुनिक राफेल जेट में उड़ान भरकर इतिहास रचा हैं। यह उड़ान देश की नारी शक्ति के आत्मविश्वास, साहस और क्षमता की प्रतीक है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

आत्मज्ञान का रत्न

एक बार गौतम बुद्ध अपने अनुयायियों को साथ लेकर पदयात्रा कर रहे थे। चलते-चलते सभी थक गए, तो वे एक आरामदायक स्थान पर विश्राम करने लगे। अचानक, आकाश में अंधेरा गहरा होने लगा। मन की बेचैनी को दूर करने के लिए सभी अनुयायी गौतम बुद्ध से अपनी-अपनी बात कहने लगे। इसी बीच एक अनुयायी ने जिज्ञासा व्यक्त करते हुए पूछा, 'आप कहते हैं कि चंद्रमा की चौदह कलाएं होती हैं। क्या उसी तरह से मनुष्य के पास भी चौदह रत्न होते हैं? कृपया, इसका ज्ञान दीजिए।' यह सुनकर बुद्ध बहुत शांतचित्त से बोले, 'तेरह धन तो प्रकृति जन्य हैं, जो प्रकृति ने आपको उपहार स्वरूप दे दिए हैं। वे हैंपांच कर्मेंद्रियां, पांच ज्ञानेंद्रियां और मन, बुद्धि और अहंकार। अब चौदहवां रत्न तो वह है, जिसे आपको प्रयास करके स्वयं खोजना पड़ेगा।' 'मगर गुरुदेव, मैं नहीं समझ सका कि वह चौदहवां रत्न क्या है?' अनुयायी ने फिर पूछा। गौतम बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'चौदहवां रत्न या धन हैचित्त। यह चित्त तभी सच्चे रूप में उपलब्ध होता है, जब भीतर ज्ञान का उजाला चमकता है। जब मन में प्रकाश होगा, तभी अंधकार छंटेगा और चित्त सुसंगठित और शांत होगा।'

सामयिक

अक्षय नवमी : सनातन आस्था और अक्षय पुण्य का पर्व

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल: 9989703240

सनातन धर्म में कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाने वाला अक्षय नवमी का पर्व, जिसे लोकप्रिय रूप से आंवला नवमी भी कहते हैं, अत्यधिक शुभ और पुण्य फलदायी माना जाता है। इस पावन तिथि का नाम ही इसके महत्व को स्पष्ट करता है, जहां 'अक्षय' शब्द का अर्थ है 'जिसका कभी क्षय न हो' या जो अविनाशी हो। यह मान्यता है कि इस दिन किए गए सभी शुभ कार्यों, पूजा-पाठ, जप, तप और दान का फल अनंत काल तक बना रहता है, जिसके कारण यह तिथि अक्षय तृतीया के समान ही महत्वपूर्ण हो जाती है।

अक्षय नवमी की तिथि हिन्दू पंचांग के अनुसार निर्धारित होती है। यह प्रतिवर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाई जाती है। वर्ष 2025 में यह पर्व 31 अक्टूबर (शुक्रवार) को मनाया जाएगा। पंचांग के नियमों के अनुसार, चूंकि 31 अक्टूबर को नवमी तिथि सूर्योदय के समय व्याप्त है, इसलिए उदयातिथि के सिद्धांत के अनुसार इसी दिन व्रत और पूजन का विधान मान्य होगा। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर पवित्र नदियों में स्नान करने या गंगाजल मिश्रित जल से स्नान करने का विशेष महत्व है, जिसके बाद आंवले के वृक्ष की पूजा की जाती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय नवमी के दिन द्वापर युग का आरम्भ हुआ था। इस दिन भगवान विष्णु ने कुशमांड दैत्य का वध कर धरती पर धर्म की स्थापना की थी और भगवान श्रीकृष्ण ने कंस वध से पहले वृंदावन की परिक्रमा भी इसी दिन की थी। कुछ स्रोतों के अनुसार, अक्षय नवमी से ही सतयुग का आरम्भ हुआ था, लेकिन सबसे प्रचलित मान्यता द्वापर युग के आरंभ की है। कहा जाता है कि एक बार माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आईं और उन्हें यह ज्ञात हुआ कि आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु और भगवान शिव दोनों का वास है। तब उन्होंने आंवले के वृक्ष की पूजा की और उसके नीचे भोजन ग्रहण किया। माता लक्ष्मी के इस कार्य से प्रसन्न होकर त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) ने उन्हें अक्षय फल का आशीर्वाद दिया। इसी कथा के आधार पर, आज भी भक्तजन इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा कर उसके नीचे बैठकर भोजन करते हैं और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं, ताकि उन पर माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा बनी रहे।

एक अन्य लोक कथा 'आंवलया राजा' की है, जो यह प्रण लेकर चलते थे कि वे प्रतिदिन सवा मन आंवले का दान करने के बाद ही भोजन ग्रहण करेंगे। उनके बेटे और बहू ने लोभवश उन्हें दान करने से मना किया, जिसके बाद राजा वन चले गए और वहाँ भी उन्होंने आंवले के वृक्ष की पूजा और दान की अपनी परंपरा को जारी रखा। उनके पुण्य प्रताप से वन में भी उन्हें राजसी सुख प्राप्त हुआ, जो दर्शाता है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया दान सदैव अक्षय फल देता है और किसी भी परिस्थिति में व्यक्ति का साथ नहीं छोड़ता।

पर्व का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति के गहन मूल्यों को भी दर्शाता है। यह तिथि विशेष रूप से आंवले के वृक्ष की पूजा के लिए समर्पित है। आंवला, जिसे भारतीय संस्कृति में अमृतफल के समान माना गया है, न केवल औषधीय गुणों से भरपूर है, बल्कि यह वृक्ष पूज्यनीय भी है। आंवले के वृक्ष की परिक्रमा करना और उसकी पूजा करना वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सुंदर तरीका है। इस प्रकार यह पर्व हमें आधुनिक युग में पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के महत्व को समझने का संदेश देता है।

वर्तमान संदर्भ में अक्षय नवमी का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह हमें भौतिकतावादी जीवन से परे जाकर निस्वार्थ कर्म और परोपकार की ओर प्रेरित करता है। आज के दौर में जहां हर कार्य किसी प्रतिफल की अपेक्षा से किया जाता है, वहीं 'अक्षय' फल की अवधारणा हमें यह सिखाती है कि सच्चा सुख और समृद्धि भौतिक संपदा में नहीं, बल्कि उन नेक कार्यों में निहित है जिनका पुण्यफल कभी समाप्त नहीं होता। दान-पुण्य, सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा देकर यह पर्व सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है। मथुरा-वृंदावन में इस दिन की जाने वाली परिक्रमा भी हमें आत्मिक शुद्धि और प्रभु भक्ति के मार्ग पर चलने का संकेत देती है।

संक्षेप में, अक्षय नवमी केवल एक तिथि मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय जीवन पद्धति का वह शाश्वत प्रतीक है जो हमें अच्छे कर्मों के माध्यम से एक ऐसा 'अक्षय' कोष बनाने का अवसर देता है, जिसका लाभ हमें इस लोक में ही नहीं, बल्कि परलोक में भी प्राप्त होता है। यह पर्व सनातन आस्था, प्रकृति के प्रति सम्मान और परोपकार के सिद्धांतों को एक साथ समाहित करता है, जो इसे आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण बनाए हुए हैं।

चिंतन

अगर सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते

प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

इतिहास में 'अगर' शब्द अपनी अपार संभावनाओं से युगों को झकझोर देता है। राष्ट्र-निर्माण के संदर्भ में भी एक प्रश्न सतत भारतीयों के मन में गूंजता रहता है कि यदि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो राष्ट्र की दिशा और दशा कैसी होती?वस्तुतः यह केवल कल्पना नहीं, बल्कि इतिहास की संभावनाओं की गंभीर पड़ताल है।

लौह संकल्प के निर्माता सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन महामानवों में थे जिन्होंने तलवार नहीं, बल्कि संगठन-शक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और अद्वितीय प्रशासनिक दृष्टि एवं क्षमता से भारत के भूगोल और चेतना का पुनर्निर्माण किया। लौहपुरुष उपाधि केवल उनकी कठोरता का नहीं, बल्कि अनुशासित व्यवहार और निर्णयात्मक नेतृत्व का प्रतीक थी।उन्होंने लगभग 562 रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित कर यह सिद्ध कर दिया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति जब राष्ट्रीय उद्देश्य से प्रेरित हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

मेरा ऐसा मानना है कि यदि सरदार पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो भारत का संघीय ढाँचा और भी संयमित एवं सुदृढ़ होता। हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर जैसे जटिल प्रश्नों को जिस निर्णायकता से उन्होंने गृह मंत्री रहते हुए सुलझाया, उसी दृष्टि से वे सीमांत समस्याओं विशेषकर पाकिस्तान, तिब्बत और पूर्वोत्तर सीमा के लिए प्रारंभिक स्तर पर कठोर और व्यावहारिक नीतियाँ अपनाते। संभवतः राज्य बनाम केंद्र का संघर्ष जिस रूप में बाद के दशकों में उभरा, उसकी तीव्रता बहुत कम होती।शासन में अनुशासन और उत्तरदायित्व चरम पर होता। वास्तव में आदरणीय पटेल जी अपने समय के सर्वाधिक व्यावहारिक प्रशासक थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत की भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की स्थापना सुनिश्चित की ताकि नवगठित भारत को एक अनुभवी, निष्पक्ष और राष्ट्रनिष्ठ नौकरशाही मिल सके। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शासन-तंत्र में कर्तव्य अनुशासन' सर्वोच्च पर होता। निर्णय क्षमता और क्रियान्वयन का संतुलन स्थापित होता। कम योजनाएँ, अधिक परिणाम ध्येय बनता।

पटेल जी की अंतरराष्ट्रीय दृष्टि आदर्शवाद से नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वाभिमान की व्यावहारिकता से प्रेरित थी। 1949 में ही उन्होंने नेहरू को पत्र लिखकर चेताया था कि चीन की नीति पर भरोसा करना भविष्य में महँगा साबित होगा।यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शायद भारत की विदेश नीति भारत पहले के सिद्धांत पर आधारित होती। पंचशील के आदर्श सिद्धान्त के स्थान पर वे सामरिक तैयारी और सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देते। सम्भवतः 1962 का चीन युद्ध या तो टल जाता, या भारत उससे कहीं अधिक सामरिक तैयारी के साथ लड़ता।

किसान-पुत्र होने के नाते पटेल जी भलीभाँति जानते थे कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो कृषि-सुधार और ग्रामीण स्वावलंबन आर्थिक नीति का अभिन्न अंग बनते। वे निजी क्षेत्र और सहकारिता के बीच संतुलन स्थापित करते। केंद्रीकृत योजना व्यवस्था के स्थान पर वे उत्पादन बढ़ाने में जन-सहभागिता को महत्व देते। संभवतः आत्मनिर्भर भारत का विचार उसी दौर में नीति का मूल दर्शन बन जाता। इतना ही नहीं पटेल जी संविधान सभा में व्यवहारिक और स्पष्ट चिंतन के पक्षधर थे। वे लोकतंत्र को केवल मताधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य-शासन मानते थे। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो राजनीतिक दलों में वैचारिक अनुशासन और राष्ट्रहित सर्वोच्च मूल्य होता। गुटबाजी और व्यक्तिगत सत्ता-लालसा को वे प्रारंभ में ही नियंत्रित कर लेते, जिससे शासन-सातत्य और नीति-स्थिरता अधिक मजबूत होती।

पटेल जी की धर्मनिरपेक्षता भारतीय परंपरा की समन्वय भावना पर आधारित थी जिसमें सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर माने जाते हैं। वे धार्मिक सहिष्णुता को जीवन-मूल्य मानते थे, किंतु राष्ट्रहित के प्रतिकूल उग्र या विभाजनकारी आग्रहों को कभी सहन नहीं करते। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो भारत की धर्मनिरपेक्षता सांस्कृतिक समरसता पर अधिक आधारित होती, न कि पश्चिमी निरपेक्षता के आयातित मॉडल पर। निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि यह भारत का दुर्भाग्य ही था कि उसे सरदार पटेल जैसा कर्मनिष्ठ राष्ट्रशिल्पी प्रधानमंत्री के रूप में नहीं मिल सका। यदि वे होते, तो भारत की नींव अधिक मजबूत, सीमाएँ अधिक सुरक्षित, शासन अधिक अनुशासित और आर्थिक नीति अधिक स्वावलंबी होती। इतिहास बदल नहीं सकता, पर उससे दिशा ली जा सकती है। आज जब भारत विकसित राष्ट्र की राह पर अग्रसर है, तब पटेल का सन्देश हमें स्मरण कराता है कि एकता ही शक्ति है; और राष्ट्रहित से बढ़कर कोई स्वार्थ नहीं।

नजरिया

गोपाष्टमी पर्व : अमृत समान है गाय का दूध, मूत्र और गोबर

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

देश में हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी का त्योहार मनाए जाने की परंपरा है। इस साल गोपाष्टमी 30 अक्टूबर को है। भारत में गाय को मां कहा जाता है और उसकी पूजा की जाती है। घरों में आज भी पहली रोटी गौ माता को खिलाई जाती है। गौ वंश को लेकर इस समय देश की सियासत में गर्माहट है। महाराष्ट्र ने गाय को माता का दर्ज़ा घोषित कर दिया है और अन्य राज्य भी माता घोषित करने की प्रक्रिया में है। केंद्र सरकार से भी मांग की जा रही है कि वह पूरे देश में गाय को माता का दर्ज़ा प्रदान करें। हिंदू धर्म में गाय को मां का दर्जा दिया गया है, साथ ही गाय को बेहद पवित्र और पूजनीय माना गया है।

गाय को छत्तीस कोटि देवी-देवताओं का वास माना जाता है। इस अवसर पर गौ माता की पूजा और सेवा करने का सनातनी विधान है। बताया जाता है कि भगवान श्री कृष्ण ने गोपाष्टमी पर ही गौ-चारण यानी गायों को चराना शुरू किया था। चूंकि श्रीकृष्ण स्वंय गायों की सेवा करते थे, इसलिए इस दिन गौ सेवा का विशेष महत्व बताया गया है। इस गोपाष्टमी के दिन गाय या गाय के बछड़े को हरा चारा खिलाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गाय को हरा चारा खिलाने से दांपत्य जीवन में खुशहाली आती है।

यह त्योहार भगवान श्रीकृष्ण और गायों को समर्पित है। यह मथुरा, वृंदावन और अन्य ब्रज क्षेत्रों में गोपाष्टमी प्रसिद्ध त्योहार है। इस दिन गायों को उनके बछड़े के साथ सजाने और पूजा करने की परंपरा है। आज के दिन श्रीकृष्ण के पिता नंद महाराज ने श्रीकृष्ण को गायों की देखभाल की जिम्मेदारी दी थी और श्रीकृष्ण गायों को चराने वन ले गये थे। गोपाष्टमी पर प्रातः काल में ही धूप-दीप अक्षत, रोली, गुड़, आदि वस्त्र तथा जल से गाय का पूजन किया जाता है और आरती उतारी जाती है। इस दिन कई व्यक्ति ग्वालों को उपहार आदि देकर उनका भी पूजन करते हैं। गायों को खूब सजाया जाता है। इसके बाद गाय को चारा आदि डालकर परिक्रमा करते हैं। परिक्रमा करने के बाद कुछ दूर तक गायों के साथ चलते हैं। ऐसी आस्था है कि गोपाष्टमी के दिन गाय के नीचे से निकलने वालों को बड़ा ही पुण्य मिलता है।

गोपालन भारतीय संस्कृति का हिस्सा हैं। गाय को माता रूप में पूजने और उसके पालन में आमजन के साथ कई संस्थाएं भी लगी हैं जो देशभर में गौशालाएं संचालित करती है। महंगाई के जमाने में गोपालन के प्रति लोगों का मोह भंग सा हो चला था, लेकिन कोरोना काल के बाद देसी नस्ल की गाय के दूध और दुग्ध से बने उत्पादों की मांग फिर से बढ़ी हैं। मिलावटी खानपान से बचने और इम्युनिटी बढ़ाने के लिए शुद्ध दूध,छाछ, दही, घी आदि को लोग प्राथमिकता दे रहे हैं चाहे ये उत्पाद बाजार भाव से भले ही चार गुणा में ही क्यों ना उपलब्ध हो। गाय का दूध, गाय का घी, दही, छांछ यहाँ तक की मूत्र भी मनुष्य जाति के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। गोबर का धुआं अपने आस-पास के वातावरण को भी शुद्ध रखता है। इसके धुएं से घर की सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि एवं पशुपालन का विशेष महत्व है। सकल घरेलू कृषि उत्पाद में पशुपालन का 28-30 प्रतिशत का योगदान सराहनीय है जिसमें दुग्ध एक ऐसा उत्पाद है जिसका योगदान सर्वाधिक है। भारत में विश्व की कुल संख्या का 15 प्रतिशत गायें है और देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 43 प्रतिशत गायों से प्राप्त होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 19.91 करोड़ गायें है। गौसेवा हमारे देश की प्राचीन संस्कृति है। यह संस्कृति ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में भी सहायक होती है। परन्तु वर्तमान समय में हमारी यह संस्कृति धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। गाय कलियुग में संजीवनी स्वरूपा है, गाय मानव जीवन में माता की भूमिका का निर्वाह करती है। गाय का दूध अमृत के सामान होता है और मूत्र औषधि का काम करता है। पहले हर घर में गाय-भैंस का पालन होता था, जिसके कारण बच्चों को दूध के रूप में पौष्टिक आहार भी मिलता था। गौ पालन और पशुपालन से भारी मात्रा में लाभकारी रोजगार का सृजन हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कांग्रेस घुसपैठियों के साथ खड़ी है, वोट के लिए भारत को तोड़ रही है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर घुसपैठियों के साथ खुलेआम खड़े होने और वोट के लिए भारत को तोड़ने के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। यह आरोप सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो के बाद लगाया गया है जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस के एक नेता असम में सेवा दल की आधिकारिक बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हुए नजर आ रहे हैं। असम में श्रीभूमि जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्हें राज्य के मत्स्य पालन मंत्री कृष्णेंदु पॉल से मामले की जांच करने के मौखिक निर्देश मिले हैं, और हम अब इस मामले को देख रहे हैं।कांग्रेस की असम इकाई ने इस मुद्दे को कमतर आंकते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी लोगों का ध्यान भटकाने के लिए अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है। यह घटना सोशल मीडिया पर एक अज्ञात वीडियो के सामने आने के बाद हुई, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारी बिधु भूषण दास दक्षिणी असम की बराक घाटी के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस सेवा दल की बैठक में कथित तौर पर नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्र नाथ टैगोर द्वारा रचित बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दूसरी ओर, भाजपा ने अगले साल होने वाले चुनाव से पहले कांग्रेस पर हमला करने का मौका दोनों हाथों से लपक लिया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस वर्षों से बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ खड़ी रही है। इसने अपने शासन के दौरान इन घुसपैठियों को बसने में मदद की। और अब, कांग्रेस आधिकारिक तौर पर पार्टी के मंच से उनका समर्थन कर रही है और उसके नेता बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रहे हैं। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह संयोग नहीं है। यह वोट बैंक के लिए एक सोचा-समझा प्रयोग और उद्योग है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इस पर प्रतिक्रिया मांगी।

पूनावाला ने आरोप लगाया, कांग्रेस के एक बड़े नेता उस बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हैं जिसने हाल ही में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर असम को अलग करने के लिए भड़काऊ बयान दिया था। कांग्रेस आधिकारिक तौर पर 'भारत के टुकड़े-टुकड़े' एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सामने आई है। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है क्योंकि उसके पास लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कोई अन्य मुद्दा नहीं है।

श्रीभूमि जिला कांग्रेस अध्यक्ष तापस पुरकायस्थ ने कहा, रवींद्रनाथ टैगोर के साथ राजनीति मत कीजिए। हमारे गौरव, 85 वर्षीय कवि विधु भूषण दास ने गीत की केवल दो पंक्तियां गाईं। इस गीत की आलोचना करना रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करना है। भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटकों पर भी निशाना साधा और टीएमसी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार पश्चिम बंगाल में दंगे भड़काने की साजिश रच रही है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने 11 अन्य प्रदेशों के साथ राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। उन्होंने इस संबंध में कुछ तृणमूल कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर कराए जाने पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हिंसा और हमले की धमकी दी है।

श्रद्धांजलि

दिल्ली बम विस्फोट पीड़ितों के परिवार के सदस्य बुधवार को नई दिल्ली में, सरोजिनी नगर मार्केट स्थित विस्फोट स्थल पर 20वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

मनीषा कोइराला ने तिब्बती बौद्ध शिक्षक से जाना 'मृत्यु और पुनर्जन्म' के बीच का रहस्य

नई दिल्ली/एजेन्सी

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित वेबसीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में दमदार एक्टिंग के बल पर डिजिटल डेब्यू करने वाली मनीषा कोइराला हर किसी के दिल में बसती हैं। इस बीच एक्ट्रेस जीवन और मृत्यु के रहस्य को समझना चाहती हैं। उन्होंने तिब्बती बौद्ध शिक्षक और लेखक योंगे मिंग्युर रिनपोछे के साथ जुड़कर इस रहस्य को गहराई से जानने की कोशिश की है।

मनीषा कोइराला बार्डो के बारे में जानना चाहती थी। बार्डो तिब्बती बौद्ध धर्म में मृत्यु और पुनर्जन्म के बीच की स्थिति है, जिसका मतलब है मृत्यु और पुनर्जन्म क्या हैं और उनके बीच जीवन का असली अर्थ क्या है। इसी टॉपिक पर मनीषा कोइराला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव शेयर किए हैं। मनीषा ने तिब्बती बौद्ध शिक्षक के साथ फोटोज पोस्ट की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं हमेशा से मृत्यु को समझना चाहती थी, मुझे लगा कि इसे सही मायने में समझने से शायद मेरा उससे डर भी दूर हो जाए। मेरी खोज मुझे द तिब्बती बुक ऑफ लिविंग एंड डाइंग तक ले गई, जहां एक पंक्ति ने मुझे गहराई से प्रभावित किया कि तुम वैसे ही मरते हो जैसे तुम जीते थे।

मनीषा कोइराला ने बताया कि उनकी खोज तिब्बती बौद्ध शिक्षक और लेखक योंगे मिंग्युर रिनपोछे

पर जाकर खत्म हुई, जिनकी क्लासेज के जरिए जीवन का सही लक्ष्य और मृत्यु और पुनर्जन्म के बीच की अवस्था का पता चला। उन्होंने लिखा, मिंग्युर रिनपोछे एक दुर्लभ गुरु हैं, उनका आनंद, विनम्रता और स्पष्टता गहनतम ज्ञान को भी सरल और जीवंत बना देती है। वे केवल शब्दों के माध्यम से ही नहीं, बल्कि अनुभव के माध्यम से भी सिखाते हैं। एक्ट्रेस के पोस्ट से साफ है कि उन्हें गहरे आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति हुई है, जो उन्हें मृत्यु और जीवन के परे लेकर गया। बता दें कि मनीषा कोइराला धर्मगुरु दलाई लामा से भी मुलाकात करती रहती हैं। मनीषा कोइराला ने हाल ही में ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री ली है। उन्होंने अपने डिग्री सेरेमनी की वीडियो भी पोस्ट की थी। उन्होंने ये पढ़ाई सिर्फ डिग्री हासिल करने के लिए नहीं की बल्कि जीवन में मनुष्य के सीखते रहने की प्रवृत्ति को आगे बढ़ाने के लिए की थी। इसके अलावा एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी बहुत एक्टिव रहती हैं।

फिल्म निर्माता अमित जानी को बम से उड़ाने की धमकी वाला फोन आया; संभल में मामला दर्ज

संभल/भाषा

संभल जिले में फिल्म निर्माता अमित जानी को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के मुताबिक, जानी ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है जिसमें कहा गया है कि 27 अक्टूबर को, मुरादाबाद से संभल जाते समय, बिलारी पार करने के तुरंत बाद शाम चार बज कर 19 मिनट पर उन्हें एक फोन कॉल आया। जानी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, कॉल करने वाले ने खुद को मोहम्मद शब्बीर बताया। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं 'उदयपुर फाइल्स' या 'संभल फाइल्स' बना रहा हूं। जब मैंने हां कहा, तो उसने धमकी दी कि फिल्म की शूटिंग के दौरान या बिहार चुनाव प्रचार के दौरान, वह मुझे मेरी गाड़ी के साथ उड़ा देगा। अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर हजरत नगर गढ़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि फोन करने वाले का पता लगाने और धमकी के मकसद पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

'द ताज स्टोरी' पर दायर याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज करते हुए किया फिल्म रिलीज़ का समर्थन

दिल्ली/एजेन्सी

हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें 31 अक्टूबर को देशभर में रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'द ताज स्टोरी' पर रोक लगाने या उस पर विशेष पाबंदियां लगाने की मांग की गई थी। यह याचिका अधिवक्ता शकील अब्बास और बीजेपी नेता रजनीश सिंह द्वारा दायर की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि यह फिल्म ताजमहल से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का प्रयास कर रही है और इससे साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। याचिकाकर्ताओं ने केंद्र सरकार, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन और फिल्म के निर्माता सीए सुरेश झा, निर्देशक तुषार अमरीश गोयल, लेखक सौरभ एम. पांडेय और अभिनेता परेश रावल को पक्षकार बनाया था। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने इस याचिका को तुरंत सूचीबद्ध करने से इनकार करते हुए कहा है कि मामला सामान्य प्रक्रिया के अनुसार समय आने पर सुना जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने फिल्म की जल्द सुनवाई की मांग यह कहते हुए की थी कि फिल्म के रिलीज़ से ठीक पहले यह इतिहास को विकृत रूप में पेश कर सकती है और साम्प्रदायिक तनाव पैदा कर सकती है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फिल्म के निर्देशक तुषार अमरीश गोयल ने कहा, 'द ताज स्टोरी' कल्पना या अफवाहों पर आधारित फिल्म नहीं है। हमारी टीम ने छह महीने तक गहन शोध, ऐतिहासिक परामर्श और प्रमाणित साक्ष्यों के आधार पर इसे बनाया है। उइऋउ ने भी हर पहलू को बारीकी से जांचने के बाद ही इसे मंजूरी दी है। हमारा उद्देश्य कभी किसी समुदाय को भड़काना नहीं था, बल्कि एक रिसर्च-आधारित दृष्टिकोण पेश करना था, जिससे लोग सोचें और चर्चा करें। मैं दिल्ली हाईकोर्ट के इस फैसले का सम्मान करता हूं, जिसने रचनात्मक स्वतंत्रता की भावना को बनाए रखा। सिनेमा को हमेशा सच, शोध और निडर अभिव्यक्ति का माध्यम रहना चाहिए।

वहीं, निर्माता सीए सुरेश झा ने कहा, 'द ताज स्टोरी' पर लगाए गए सभी आरोप और दायर की गई झखड पूरी तरह निराधार हैं। हमने यह फिल्म पूरी ईमानदारी, जिम्मेदारी और अपने इतिहास के प्रति सम्मान के साथ बनाई है। हमारा मकसद केवल सच्ची कहानी को दुनिया तक पहुंचाना है, जो जिज्ञासा और संवाद को जन्म दे, ना कि विभाजन को। गौरतलब है कि रिलीज़ से कुछ दिन पहले ही बढ़ते विवादों के बीच 'द ताज स्टोरी' कला की स्वतंत्रता और ऐतिहासिक जवाबदेही के बीच टकराव का केंद्र बन गई है।

फिलहाल परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ तथा नमित दास जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों से सजी और स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज़ के बैनर तले निर्मित फ़िल्म 'द ताज स्टोरी' एक प्रखर सामाजिक नाटक है, जो निर्भीकता से यह प्रश्न उठाती है कि स्वतंत्रता के 79 वर्षों बाद भी क्या हम बौद्धिक गुलामी से पूरी तरह मुक्त हो पाए हैं? रोहित शर्मा तथा राहुल देव नाथ के संगीत निर्देशन में बनी फिल्म 'द ताज स्टोरी' का भव्य प्रदर्शन 31 अक्टूबर 2025 को भारत के सभी सिनेमाघरों में किया जाएगा।

भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा उपयोग नहीं होने का खतरा : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश के कम उपयोग के ''गंभीर जोखिम'' का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि करीब 1.20 करोड़ युवा हर साल कार्यबल से जुड़ रहे हैं लेकिन इनमें से केवल 10 प्रतिशत ही 'ग्रीन स्किल' से युक्त होते हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत में 2047 तक 3.5 करोड़ हरित नौकरियां पैदा हो सकती हैं। 'ग्रीन स्किल' वह ज्ञान, योग्यताएं, मूल्य और दृष्टिकोण हैं जो संसाधन-कुशल समाज में रहने, उसे विकसित करने और समर्थन देने के लिए आवश्यक हैं।

यूनिसेफ युवा ने 'सतत भारत के लिए युवा: हरित कौशल और रोजगार पथ' नाम से रिपोर्ट जारी की है। इसे कैपजेमिनी, सेक्टर स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स (एससीजीजे), काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) और सत्व के सहयोग से तैयार किया गया है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2022 और 2023 के बीच वैश्विक स्तर पर कम से कम एक 'ग्रीन स्किल' की आवश्यकता वाली नौकरियों का अनुपात 22.4 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन ऐसे कौशल वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी केवल 12.3 प्रतिशत बढ़ी है, जिससे मांग और प्रतिभा के बीच असंतुलन बढ़ रहा है। भारत में 80.8 करोड़ लोगों की उम्र 35 वर्ष से कम हैं। अध्ययन के मुताबिक 2047 तक 3.5 करोड़ तक हरित रोजगार सृजित किये जा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, ''हालांकि, भारत में प्रतिवर्ष लगभग 1.2 करोड़ युवा कार्यबल से जुड़ते हैं जिनमें से केवल 10 प्रतिशत को ही किसी प्रकार का 'ग्रीन स्किल' प्राप्त होता है, जिससे इसके जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा उपयोग न हो पाने का जोखिम बना रहता है।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अंतर कई संरचनात्मक चुनौतियों में निहित है। इसके मुताबिक पहली चुनौती 'ग्रीन स्किल' का असमान वितरण है। दिल्ली और मुंबई जैसे टियर-1 शहरों में हरित रोज़गार सृजन का दबदबा है, जबकि जयपुर, इंदौर, विशाखापत्तनम, अहमदाबाद, कोयंबटूर, भुवनेश्वर और चंडीगढ़ जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों के वित्त वर्ष 2028 तक हरित रोजगार में 40 प्रतिशत तक योगदान देने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया कि दूसरी चुनौती, पारंपरिक कौशल कार्यक्रम भी विरासत क्षेत्रों पर केंद्रित रहते हैं।

इसके मुताबिक तीसरी चुनौती ग्रामीण, निम्न आय या हाशिए पर रहने वाले समुदायों के युवाओं में हरित करियर अपनाने के लिए जागरूकता, पहुंच और अनुकूल परिस्थितियों (जैसे परिवहन, वजीफा या उद्योग संपर्क) का अभाव है।

रिपोर्ट में कृषि, निर्माण, वस्त्र, अपशिष्ट प्रबंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को हरित रोजगार सृजन के लिए प्राथमिकता वाले पांच क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है। इसमें नीति निर्माताओं, उद्योग और नागरिक समाज से आग्रह किया गया है कि वे न्यायसंगत और समावेशी हरित परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण, वित्तपोषण और रोजगार रणनीतियों को संरेखित करें।

विरोध

अमृतसर में बुधवार को वाल्मीकि समुदाय के सदस्य राम तीरथ मंदिर में कथित अनादर के विरोध में नारे लगाते हुए।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफ: लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी

को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ।

उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने 'शीला की जवानी' से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं।

इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फन्र्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, 'मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं।' मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा ने खोले 'जटाधारा' की आध्यात्मिकता के साथ काली दुनिया के राज

मुंबई/एजेन्सी

जी स्टूडियो और प्रेरणा अरोड़ा की फिल्म 'जटाधारा' का ट्रेलर रिलीज़ होते ही यह फिल्म देशभर में जबरदस्त चर्चा का विषय बन गई है। विशेष रूप से फिल्म की भावनात्मकता के साथ भव्य विज़ुअल्स ने जहां दर्शकों को झकझोर कर रख दिया है, वहीं सुधीर बाबू के शक्तिशाली आध्यात्मिक किरदार और सोनाक्षी सिन्हा के रहस्यमय और खतरनाक अवतार ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध और स्तब्ध कर दिया है। ऐसे में 7 नवंबर 2025 को भारत के सभी सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही सुपरनैचुरल फिल्म 'जटाधारा' एक अविस्मरणीय सिनेमा का अनुभव देने का वादा करती है।इस सिलसिले में फिल्म की निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा कहती हैं, ट्रेलर को जिस तरह दर्शकों का प्रतिसाद मिला है, यह मेरे लिए काफी भावुक और प्रेरणादायक है। सच कहूँ तो निर्माता के रूप में यह मेरे 'विश्वास' को हमेशा बल देता रहा है। विशेष रूप से जब मैंने 'रुस्तम', 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' और 'पैडमैन' जैसी फिल्में बनाई थीं, तब भी उन सभी फिल्मों के विषयों ने मुख्यधारा सिनेमा में पहली बार आने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर चर्चा पैदा की थी।

यही दृढ़ विश्वास मुझे अपनी अगली फिल्म 'जटाधारा' के साथ भी था और अब जब लोग उससे इतनी गहराई से जुड़ रहे हैं, तो मेरे लिए यह बेहद संतोषजनक है।हालांकि जब उनसे 'स्त्री 2', 'मुंज्या' और 'कांतारा' जैसी हालिया सुपरनैचुरल फिल्मों के संदर्भ में पूछा गया, तो प्रेरणा ने कहा, 'जटाधारा' इन सबसे अलग है क्योंकि यह न तो कॉमेडी है और न फैंटेसी। यह आध्यात्मिकता के साथ सिर्फ काले जादू या डर के बारे में नहीं है, बल्कि विश्वास से जुड़े उन मासूम साधारण लोगों की कहानी है, जो असाधारण शक्तियों में उलझ जाते हैं। यहाँ डर सिर्फ दिखाई नहीं देता, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। हालांकि यहां हम काले जादू के ज़रिये उसका मनोरंजन नहीं कर रहे हैं, बल्कि उसके परिणामों की बात कर रहे हैं।समाज में फैले काले जादू जैसे वर्जित विषय पर बात करते हुए प्रेरणा ने यह भी बताया, यह काल्पनिक नहीं, बल्कि सच्चाई है।

आज हम भले ही सोशल मीडिया और पॉडकास्ट के युग में जी रहे हों, फिर भी काले जादू से जुड़ी घटनाओं की कहानियां छोटे-छोटे गाँवों और प्रांतों के साथ बड़े-बड़े शहरों और प्रभावशाली जगहों से भी सामने आ रही हैं। हालांकि 'जटाधारा' इसे सनसनीखेज़ बनाने की बजाय सच्चाई के साथ दिखाती है। यहाँ काला जादू किसी साइड ट्रैक की तरह नहीं, बल्कि कहानी की आत्मा है, जो किरदारों की तकदीर तय करती है।गौरतलब है कि फिल्म के कुछ दृश्यों को लेकर सेंसर प्रक्रिया के दौरान काफी चुनौतियाँ आईं लेकिन फिल्म टीम ने अपने विज़न से कोई समझौता नहीं किया। इस पर प्रेरणा कहती ती हैं, ऐसे विषय पर हमें पहले से ही पता था कि यह हम सबके लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

परिवार में गौ उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के जैन भवन में राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि जंगली खूंखार शेर आदि का शिकार करने पर, उनके अवशेष मिलने पर सरकार कठोर दंड देती है, तो फिर हमारे परम उपकारी पालतू पशुओं पर खंजर चलाने की इजाजत कैसे देती है यह बेहद आश्चर्यजनक कार्य है। शोभा नहीं देता है।

गोपाष्टमी पर संबोधित करते हुए संतश्री ने कहा कि जब हमारा संविधान एक है। तो सभी प्राणियों के लिए समान रूप से एक जैसा कानून लागू होना चाहिए। पर्यावरण कानून में हरे वृक्ष की डाली तोड़ना अपराध है किसी भी प्राणी का कत्ल पर्यावरण का कत्ल करने के समान है। मानवाधिकार की तरह पशु अधिकार का गठन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी महापुरुषों ने पशु जगत को अपना अभिन्न अंग बनाते हुए बनाते हुए जीवन में सर्वोच्च स्थान दिया। पहले युग में जिसके पास जितना ज्यादा पशुधन होता वह सबसे अमीर माना जाता था।

मुनि कमलेशजी से बताया कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को तो सभी स्थान पर रहने की इजाजत है, परंतु प्रदूषण को नियंत्रित करने में योगदान देने वाले प्राणियों पर प्रतिबंध क्यों यह सरासर अन्याय है। धार्मिकता कि दुहाई देने वाले कुत्ते पाल सकते हैं परंतु दुर्भाग्य है गौ माता का पालन करने के लिए उदासीन हो जाते हैं। मार्बल और फोटो के चित्र की पूजा करते हैं और जीवंत को गंदगी खाने को मजबूर करते हैं इससे बड़ा पाखंड क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि कम से कम हमारे परिवार में और मंदिर में गौ माता से निर्मित दूध, दही, घी का ही प्रयोग किया जाएगा, इतना सा संकल्प तो कम से कम कर सकते हैं। यह संकल्प 33 करोड़ की देवता की पूजने से बढ़कर होगा।

जैन संत ने कहा कि विदेश में गौशाला में गाय के पास जाने के लिए रूपए जमा करने के बाद में दर्शन मिलते हैं। विज्ञान में सिद्ध कर दिया है गाय का श्वास औषधि का काम करता है। मूत्र और गोबर पंचगव्य विश्व में लोकप्रिय हो रहा है। अखिल भारतीय ज्ञान दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली द्वारा 'गाय बचाओ विश्व बचाओ' अभियान 18 राज्य में प्रारंभ किया गया है। दिवाकर मंच कर्नाटक शाखा के वर्दीचंद्र पितलिया बेंगलूरु ने बताया कि राष्ट्र संत ने देश की 70 जेल में गौशालय प्रारंभ की 407 कैदियों के विचार में सुधार आया यह अलौकिक चमत्कार हुआ।

निशुल्क सिद्धा चिकित्सा शिविर का आयोजन 1 नवंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां स्थानीय हरियाणा नागरिक सेवा संघ द्वारा हरियाणा दिवस के अवसर पर निशुल्क सिद्धा चिकित्सा शिविर का आयोजन अन्नानगर स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में किया जा रहा है। संघ के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश बंसल ने बताया कि शिविर का आयोजन राष्ट्रीय सिद्धा संस्थान तांबरम के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है जिसमें कैंसर, मोटापा, थायराइड, त्वचा रोग आदि अनेक गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगी शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों से चिकित्सकीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

अग्रवाल सभा-समाज का संयुक्त दीपावली स्नेह मिलन समारोह कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अग्रवाल सभा एवं अग्रवाल समाज (मद्रास)का संयुक्त दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन शुक्रवार को सायं 5:30 बजे से एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन अन्नानगर में आयोजित किया जा रहा है। सभा के अध्यक्ष सीताराम गोयल ने बताया कि दीपावली स्नेह मिलन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केजीआई क्लोथिंग के चेयरमैन शिवकुमार गोयन्का होंगे ।

कार्यक्रम में अंताक्षरी प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण रहेगा जिसमें 14 वर्ष या उससे अधिक उम्र के प्रतिभागी भाग लेंगे। अंताक्षरी प्रतियोगिता के विजेताओं को सभा की ओर से आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम की तैयारियाँ में अग्रवाल सभा के महासचिव बालगोविंद गुप्ता, अग्रवाल समाज (मद्रास) के अध्यक्ष सांवरमल खेमका सहित अनेक पदाधिकारी लगे हुए है।

जहां से मिले वहां से गुणों को ग्रहण करना चाहिए : संतश्री ज्ञानमुनि

आचार्य मानजी स्वामी की जयंती मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि गुणवान व्यक्ति की महिमा गाई जाती है। मानव जैसा भी है, अगर उसमें गुण हैं तो एक न एक दिन उसकी पहचान होगी। मनुष्य कितना भी सुंदर हो, कितना भी धनी हो, अगर गुणवान नहीं है तो सब मामला गड़बड़ है।

संसार हो या स्वर्ग, गुणी की हर जगह पूछ होती है। जिसको गुण और ज्ञान प्राप्त हो गया, वह मनुष्य अहंकार से बहुत दूर हो जाता है। अज्ञानी मानव थोड़ा सा ज्ञान होने पर अहंकार करने लगता है लेकिन गुणी मानव ऐसा कभी नहीं करता है। जहां गुण और ज्ञान है वहां अहंकार नहीं होना चाहिए, इसलिए गुण जहां से मिले वहां से गुण और ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए। जब

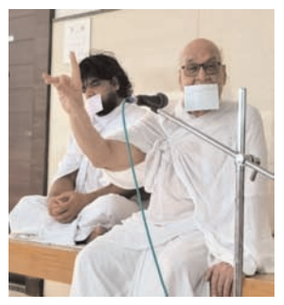

मनुष्य को अंतर ज्ञान प्राप्त हो जाता है तो वह संसार से मुक्त होने की कोशिश करने लगता है। संसार में मनुष्य का नहीं बल्कि उसके गुणों का आदर होता है। मानव कितना भी धनी हो, अगर ज्ञान नहीं है तो सब बेकार है। गुणी मनुष्य समय को समझते हुए आगे बढ़ने का कार्य करता है। भाग्य के बिना कुछ नहीं मिलता है। अगर भाग्य है तो बिना मांगे सब मिल जाता है। अच्छे-बुरे कर्मों के हिसाब से ही मानव का भाग्य बदलता है, इसलिए अच्छा समय हो तो अच्छे कार्य करते हुए गुणों को ग्रहण करते रहना चाहिए।

प्रवचन के दौरान ही ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में आचार्य मानजी स्वामी की जयंती, दीक्षा दिवस और पुण्यतिथि मनाई गई। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आचार्य मानजी स्वामी मेवाड़ के बहुत ही पुण्यवान संत थे। उनका जन्म देवगढ़ में हुआ, उन्होंने 9 वर्ष की उम्र में दीक्षा ग्रहण की थी। कार्तिक सुदी 5 को उनका जन्म, दीक्षा व महानिर्वाण हुआ।

मानजी स्वामी बहुत ही विनयवान और बहुत ही प्रतापी साधु थे। उनके भक्त उन्हें भगवान के रूप में पूजते हैं। जीवन में गुणवान मनुष्य को ही सम्मान मिलता है। अज्ञानी मानव कुछ नहीं कर पाता है। जहां ज्ञान नहीं वहां कुछ नहीं होता हैं, इसलिए मानव को जहां से हो वहां से ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया एवं कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने धन्यवाद दिया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड ने संचालन किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के चूलै स्थित यंगस्टर रोलर स्केट के निर्देशन में कमलेशकुमार मुणोत को 'एमिनेन्ट एचिवर अवार्ड 2025' से सम्मानित किया गया। इन्ट्रीगेटेड लो वेलफेयर फाउंडेशन इंडिया, ऑल इंडिया इन्ट्रीगेटेड लॉ वेलफेयर ह्युमन राइट विंग व मदर माहेश्वरी एजुकेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आरए पुरम स्थित सभागार में कमलेश मुणोत को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान समाजसेवा व जीवदया के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने के लिए दिया गया।

श्याम मंदिर में बाबा श्याम का 'जन्मोत्सव' 1 नवम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को देवउठनी एकादशी के मौके पर बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि जन्मोत्सव के मौके पर शाम 4 बजे से मंदिर परिसर में भजन संध्या के माध्यम से स्थानीय भजन गायक बाबा को रिझाएंगे तथा बाबा का गुणगान करेंगे। इस मौके पर श्याम बाबा को मिल्क केक का प्रसाद चढ़ाया जाएगा। जन्मोत्सव पर श्याम बाबा की प्रतिमा का विशेष कलाकारों द्वारा आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा तथा मंदिर की विशेष सजावट की जाएगी।

मन्दिर कमेटी ने सभी श्याम भक्तों को जन्मोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया है। मंदिर में महाप्रसाद की व्यवस्था भी रखी गई है। जन्मोत्सव को लेकर श्याम भक्तों में विशेष उत्साह है ।

मरुधरा जैन संघ का 'दीपावली स्नेह मिलन' भिक्षु धाम पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय मरुधरा जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन 2 नवम्बर को टुमकुर रोड स्थित भिक्षु धाम में रखा गया है। संघ के अध्यक्ष जवरीलाल लुनावत ने बताया कि संघ के 32वें स्नेह मिलन की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। संघ के कार्यकारिणी, नवयुवक मंडल, महिला मंडल, भोजन समिति व व्यवस्था समिति के सदस्यों ने तैयारियों की समीक्षा कर जिम्मेदारियां बांट ली हैं। इसी संदर्भ में शनिवार को स्नेह मिलन स्थल पर पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए विभिन्न स्थलों से बस की व्यवस्था की गई है।

'कीया' की वार्षिक बैठक में 'इनर स्टोरी ट्रेड फेयर' पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (कीया) की छठी वार्षिक बैठक एक होटल में आयोजित हुई जिसमें वार्षिक लेखा जोखा सहित जुलाई माह में हुए 'इनर स्टोरी ट्रेड फेयर' के बारे में चर्चा हुई। अध्यक्ष दिलीप वेदमुथा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी सहयोगी व कार्यकर्ताओं को ट्रेड फेयर के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। महिपाल जैन ने संचालन करते हुए गत बैठक की रिपोर्ट पढ़ी व वर्तमान बैठक की रूपरेखा बताई। संगठन के सचिव रवींद्र बंबोली ने गत जुलाई माह में हुए इनर स्टोरी ट्रेड फेयर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस फेयर में देश की नामी गिरामी ब्रांडों व कम्पनियों ने भाग लिया था परिणामस्वरूप इनरवियर उद्योग जगत में कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की अच्छी पैठ बनी। बम्बोली ने वर्ष 2024-25 के आय-व्यय का लेखा जोखा पेश किया। कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन ने एसोसिएशन की आर्थिक स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए। लीगल टीम के चेयरमैन व उपाध्यक्ष महावीरचंद मेहता ने लीगल टीम को और मजबूत करने पर जोर देते हुए सभी को एकसाथ व एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। संगठन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, पूर्व अध्यक्ष रमेश जैन, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान, सहसचिव जिनेन्द्र जैन, सहसचिव शेंकी जैन, राजेश चोपड़ा, मूलसिंह राजपुरोहित, मनीष जैन, महेंद्र जैन, माधुराम खदाव आदि उपस्थित थे।

माहेश्वरी सभा के 2 नवम्बर को होने वाले दीपावली स्नेह मिलन में मेधावी छात्र होंगे सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा 2 नम्बवर को 'दीपोत्सव' स्नेह मिलन का आयोजन डीजी वैष्णव कॉलेज के सभागार में किया जाएगा। इस अवसर पर सभा की ओर से तमिलनाडु, केरल और पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के स्तर पर मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष गौरीशंकर राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संतोष कुमार, आईपीएस, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग) होंगे। यह सम्मान समारोह फलोर ब्रदर्स चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक श्रीमोहन दमानी ने बताया कि इस वर्ष कुल 30 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। इसमें सीबीएसई की 10वीं कक्षा के 8 विद्यार्थी, एसएसएलसी बोर्ड के 2, आईसीएसई बोर्ड के 1, हायर सेकेंडरी के 2, सीबीएसई की 12वीं कक्षा के 10, चार्टर्ड अकाउंटेंसी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 4 तथा डॉक्टर की उपाधि प्राप्त करने वाले 3 विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इसी दिन विद्यार्थियों के लिए नई दिशाएँ कैरियर गाइडेंस विषय पर एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया है। इस सत्र के मुख्य वक्ता दिल्ली के विक्रम पटेल होंगे।

मानव प्रत्येक परिस्थिति में समभाव रखें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में कीड़ी से लेकर हाथी तक, इंसान से लेकर देवलोक के देवता तक सब जीव सुख चाहते हैं। कोई भी दुःख नहीं चाहता। लेकिन आश्चर्य की बात है कि दुःख न चाहने पर भी दुःख के कारणों को कोई छोड़ना नहीं चाहता। बबूल बो रहे हैं और कांटे नहीं चाहिए, यह कैसे संभव हो सकेगा ? कांटे नहीं चाहिएं तो बबूल बोना बंद कर दें, पाप कार्य करना बंद कर दें, तो कांटे नहीं मिलेंगे, दुःख नहीं मिलेगा। आध्यात्मिक सुख की प्राप्ति कषायों को क्षीण करने पर, इच्छाओं के अभाव होने पर होती है। सच्चा साधक वही है जो मन में अनुकूल या प्रतिकूल किसी भी परिस्थिति में राग द्वेष नहीं करता है। हर परिस्थिति में व समभाव धारण कर अपने शुभ आत्म भावों में लीन, तटस्थ रहता है। जीवन में सुख-दुख दिन-रात की तरह परिवर्तनशील है। जहां तक हमारी अपेक्षाएं हैं वहां तक दुःख है। सभी समस्याओं का समाधान बाहर नहीं, भीतर आत्मा में, मन में है और वह है संतोष, अपनी इच्छाओं को कम करना, उन्हें सीमित करने पर ही संसार में दुख से मुक्ति संभव है।ङ्क संतश्री ने कहा कि परिस्थिति को नहीं अपनी मनोस्थिति को बदलने का प्रयास करना चाहिए। यदि आपकी मन स्थिति बराबर है तो फिर आपके सामने कोई भी परिस्थिति हो, आप उससे घबराएँगे नहीं, दुःखी नहीं अनुभव करेंगे।

हुड्डी स्थित सदरमंगल तालाब पर छठ पूजा में उमड़ा जनसैलाब

दो दिवसीय महोत्सव में शामिल हुए अनेक राजनेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जन सहयोग संगठन के तत्वावधान में व्हाइटफील्ड हुड्डी के सदरमंगल तालाब पर दो दिवसीय छठ पूजा का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय सांसद पी सी मोहन, महादेवपुरा की विधायक मंजुला अरविंद लिम्बावली, व केआरपुरम के विधायक बैरती बसवराज शामिल हुए। सभी राजनेताओं ने उत्तरभारतीय प्रवासियों का स्वागत करते हुए सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गत 18 वर्ष से प्रवासियों के लिए संगठन द्वारा निरंतर छठ पूजा का आयोजन किया जाना अपने आप में सराहनीय है। संगठन के अध्यक्ष वीरबहादुर सिंह ने सभी का स्वागत किया। सोमवार को सायंकालीन अर्घ्य व मंगलवार को प्रात:कालीन अर्घ्य में हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने छठ मैया के गीत गाए तथा भगवान भास्कर को अर्घ्य दिए। महिलाओं ने परंपरागत गीतों के साथ सूर्य देवता की आराधना की और समाज के सुख, समृद्धि एवं स्वास्थ्य की कामना की।

कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन के दीपावली मिलन में नए पदाधिकारियों का हुआ चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गंगानगर स्थित एक होटल में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व गणेश वंदना से हुआ। दीपावली स्नेह मिलन का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी एकता, सद्भाव और सहयोग की भावना को सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर प्रांतीय सम्मेलन के नए पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें पंकज कुमार जालान को अध्यक्ष, स्नेहकुमार जाजू को महासचिव व मनीष अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल एवं बेंगलूरु जिला अध्यक्ष अरुण खेमका ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के उत्थान और सेवा के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने के लिए शपथ दिलवाई। नए पदाधिकारियों का सम्मान पूर्व अध्यक्ष रमाकांत सराफ, कर्नाटक महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल एवं जिला कोषाध्यक्ष प्रिंस जैन ने किया। ङ्कसर्वप्रथम प्रांतीय अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुभाष अग्रवाल, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, गोडवाड़ भवन के महासचिव कुमारपाल सिसोदिया, सम्मेलन के जिला अध्यक्ष अरुण खेमका, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल, सालासर हनुमानजी के निर्माणाधीन मंदिर के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष पंकज जालान, परिधि महिला शाखा की अध्यक्षा माया अग्रवाल, प्रोफेशनल शाखा के अध्यक्ष दीपक जैन ने सभा को सम्बोधित करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों और अतिथियों का सम्मान किया गया। नए अध्यक्ष पंकज जालान ने अपनी नियुक्ति पर सभी को धन्यवाद देते हुए समाज हित में कार्य करने का आश्वासन दिया। संचालन शिव कुमार टेकरीवाल ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.